ॐ श्री सदगुरू देवाय नमः ॐ ॐओ३म् ॐ ॐ जय माता दी ॐ
ॐ सीताराम बाबा जी ॐॐ जय बाबा की ॐॐ श्याम बाबा ॐॐ ॐ
ॐ ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! ॐ

उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यः शोकवह्नि जनकात्मजायाः आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 24 ♦अंक 262 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦बुधवार ♦3 जुलाई 2024 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

GAGNEJA PROPERTIES
CONTACT FOR
SALE, PURCHASE
RENT & LEASE
✔ Shops ✔ Houses
✔ Industrial Property
✔ Commercial Property
✔ Agriculture Land
REAL ESTATE
WITHOUT THE HASSLE
MO.-8630672525,8279444462
ADD- SRA F69, Shop No.4,
Adarsh Colony, Rudrapur

भारी बारिश से जन-जीवन अस्त व्यस्त

देहरादून(उद संवाददाता)। उत्तराखंड के कई हिस्सों में बारिश राहत के साथ आफत लेकर आयी है। मौसम विभाग ने कुमाऊं के कुछ जिलों में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। बीती रात से ही प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश से नुकसान की खबरें आ रही है। बुधवार को रुद्रप्रयाग में बादल फटने से भारी नुकसान हुआ है। यहां रुमसी देवीदार तोक में बादल फटने के कारण स्कूल का रास्ता व कुछ खेतों में मलबा आया है। घटना के बारे में आपदा कंट्रोल रूम को जिले की ऊखीमठ विकास खंड की सीमांत गांव रुमसी के प्रधान रुमसी द्वारा सूचना दी गई। घटना की सूचना प्राप्त होते ही मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती, मुख्य कृषि अधिकारी लोकेंद्र सिंह बिष्ट, खंड विकास अधिकारी अगस्त्यमुनि प्रवीन भट्ट एवं जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार तथा राजस्व उप निरीक्षक घटना स्थल के लिए रवाना हुए। उन्होंने घटना स्थल पर पाया कि देवधार में जूनियर हाईस्कूल का रास्ता एवं कृषि भूमि का आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। उधर नैनीताल में बीती रात से मूसलाधार बारिश हुई है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रिपोर्ट के अनुसार पिछले 24 घंटे में नैनीताल जिले में औसतन 46.4 एमएम वर्षा रिकॉर्ड की गई है। जिसमें सबसे ज्यादा 111.0 मिलीमीटर बारिश हल्द्वानी में रिकॉर्ड की गई है। चोरगलिया-हल्द्वानी मार्ग पर स्थित शेर नाला और सूर्या नाला में अधिक बारिश होने के कारण जल स्तर बढ़ने से मोटर मार्ग बंद किया गया है। यातायात को खेड़ा गौलापार से डायवर्ट कर वाया लालकुआं भेजा जा रहा है। वहीं अल्मोड़ा में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। अल्मोड़ा जिला मुख्यालय में 34, रानीखेत में तीन, द्वाराहाट में 9.5, चौखुटिया में 17, सोमेश्वर में 34, ताकुला में 39 एमएम बारिश हुई। भारी बारिश के बार नगर रानीधारा, टैक्सी लिंक सड़क, माल रोड, लोअर माल रोड सहित विभिन्न हिस्सों में जलभराव होने से लोग परेशान रहे। चौखुटिया के चांदीखेत में नाला उफान पर आ गया। नाले का (शेष पृष्ठ सात पर)

पुलिस के खिलाफ बेहड़ ने एसएसपी कार्यालय पर दिया धरना

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। किच्छा के विधायक तिलकराज बेहड़ ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ भारी बरसात के बीच पंतनगर के निलंबित थानाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह ड़ांगी के विरूद्ध मुकदमा दर्ज करने की मांग को लेकर एसएसपी कार्यालय में धरना दिया। दस दौरान कार्यकर्ता पुलिस प्रशासन के विरूद्ध जोरदार नारेबाजी भी करते रहे। विधायक बेहड़ ने कहा कि फोन पर पीड़िता से अश्लील बातें करने वाले थानाध्यक्ष को एसएसपी ने सिर्फ निलंबित कर उनके विरूद्ध कार्रवाई की खानपूर्ति कर दी। जबकि उनके खिलाफ अभी तक मुकदमा दर्ज नही किया गया है। इससे साफ जाहिर हो रहा है कि आरोपी थानाध्यक्ष को पुलिस संरक्षण मिला हुआ है। उन्होंने कहा कि जब तक आरोपी थानाध्यक्ष के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं किया जायेगा वह शांत नहीं बैठेंगें। श्री बेहड़ ने कहा कि जनहित के इस मुद्दे को वह विधानसभा में भी उठायेंगे। इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मंजूनाथ टीसी धरना स्थल पर आये और उन्होंने विधायक श्री बेहड़ से काफी देर तक वार्ता की। उन्होंने कहा कि पुलिस इस मामले में जांच कर रही है। किसी भी दोषी व्यक्ति को बख्शा नहीं जायेगा। उसके विरूद्ध निश्चित रूप से कानूनी कार्रवाई होगी। परंतु श्री बेहड़ आरोपी थानाध्यक्ष के विरूद्ध मुकदमा दर्ज करने की मांग पर अड़े रहे। जिसके बाद एसएसपी ने श्री बेहड़ से इस मामले (शेष पृष्ठ सात पर)

भारी वर्षा का रेड अलर्ट कल सभी स्कूल रहेंगे बंद

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। जिलाधिकारी उदयराज सिंह ने बताया कि भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम विज्ञान केन्द्र, देहरादून से जारी पूर्वानुमान के अनुसार 4 जुलाई तक जनपद में कहीं कहीं बहुत भारी से अत्यन्त भारी वर्षा (रेड एलर्ट) की सम्भावना व्यक्त की गयी है, साथ ही वर्तमान समय में जनपद के समस्त मैदानी क्षेत्रों में कहीं कहीं मध्यम से भारी वर्षा हो रही है, जिसके फलस्वरूप नदियों/नालों/गंधेरों में तेज जल प्रवाह आने की सम्भावना है। जिलाधिकारी ने छात्र-छात्राओं की सुरक्षा के मद्देनजर बृहस्पतिवार को जनपद के समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय एवं निजी विद्यालयों (कक्षा 01 से 12 तक संचालित समस्त शैक्षणिक संस्थाओं) एवं समस्त आंगनवाड़ी केन्द्रो में 01 दिवसीय अवकाश घोषित किया हैं। मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी चेतावनी को देखते हुये 04 जुलाई (बृहस्पतिवार) को जनपद उधम सिंह नगर क्षेत्रान्तर्गत समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय एवं निजी विद्यालयों (कक्षा 01 से 12 तक संचालित समस्त शैक्षणिक संस्थाओं) एवं समस्त आंगनवाड़ी केन्द्र बंद रहेगें।

ट्रांसफार्मर फटने से महिला जली, दुकान में लगी आग

सितारगंज (उद संवाददाता)। रोडवेज स्टेशन मार्ग में लगा ट्रांसफार्मर फटने से महिला झुलस गई। जिसे अस्पताल में भर्ती कराया है। हादसे में कपड़े की दुकान का सामान भी जला है। बुधवार की सुबह मीना बाजार निवासी उर्मिला पत्नी अनिल कुमार सक्सेना दुकान के बगल में सामान लेने गई थी। तभी अचानक विद्युत विभाग का ट्रांसफार्मर फट गया जिसकी चपेट में आकर उर्मिला झुलस गई। हादसे में रामस्वरूप की कपड़े की दुकान का सामान भी जला है। पूर्व सभासद रवि रस्तोगी ने विद्युत विभाग को हादसे की सूचना दी है।

शासन ने 15 आईएएस अधिकारियों के दायित्व बदले

देहरादून (उद संवाददाता)।शासन ने देर रात्रि 15 आईएएस समेत 17 अफसरों की जिम्मेदारियों में फेरबदल किया गया है। अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन से आवास, प्रमुख सचिव आरके सुधांशु से शहरी विकास और सचिव डॉ. रंजीत सिन्हा से आपदा प्रबंधन विभाग का दायित्व हटा दिया गया है। आईएएस शैलेश बगौली को फिर गृह सचिव की जिम्मेदारी दी गई है।लोकसभा चुनाव के दौरान उनसे गृह सचिव का प्रभार हटा कर सचिव दिलीप जावलकर को दे दिया गया था। बगौली कारागार का भी जिम्मा देखेंगे। बगौली को सचिव सूचना प्रौद्योगिकी तथा विज्ञान प्रौद्योगिकी से मुक्त कर दिया गया है। जावलकर को सहकारिता का प्रभार दिया गया है। कार्मिक सतर्कता विभाग द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, सचिव आर मीनाक्षी सुंदरम के विभागों को यथावत रखते हुए उन्हें आवास, आयुक्त आवास, मुख्य प्रशासक उत्तराखंड आवास एवं नगर विकास प्राधिकरण, मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरिद्वार, ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर परियोजना के प्रभार दिए गए हैं। अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन को आवास, मुख्य प्रशासक उत्तराखंड आवास एवं नगर विकास प्राधिकरण से मुक्त किया गया है। बाकी विभाग यथावत रहेंगे।अध्ययन अवकाश से लौटे सचिव नितेश झा को शहरी विकास, सूचना प्रौद्योगिकी व विज्ञान प्रौद्योगिकी का जिम्मा दिया गया है। सचिव बीवी आरसी पुरुषोत्तम को पशुपालन, मत्स्य, दुग्ध विकास और निदेशक मत्स्य का जिम्मा दिया गया। सचिव रंजीत कुमार सिन्हा से आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, परियोजना निदेशक बाह्य सहायतित परियोजनाएं हटा दिए गए हैं। उन्हें तकनीकी शिक्षा का जिम्मा दिया गया है। सचिव हरि चंद्र सेमवाल को पंचायती राज से मुक्त करते हुए महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास व आयुक्त खाद्य का जिम्मा दिया गया है। सचिव चंद्रेश यादव से जनगणना, संस्कृत शिक्षा, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग हटाते हुए पंचायती राज का जिम्मा दिया गया है। सचिव बृजेश कुमार संत से समाज कल्याण, आयुक्त समाज कल्याण, अध्यक्ष बहुउद्देश्यीय, वित्त विकास निगम हटाकर ये सभी प्रभार सचिव डॉ. नीरज (शेष पृष्ठ सात पर)

मानसून आते ही नगर निगम के सफाई के दावे हुए धड़ाम

■ प्रमोद धींगड़ा

रूद्रपुर। मानसून की वर्षा प्रारम्भ होने के साथ ही जहां लोगों को उमस व पसीने निकाल देने वाली गर्मी से काफी राहत मिली है। तो वही नगर निगम के सभी नालों व नालियों की तली झाड़ सफाई के दावों की असलियत भी सामने आ गई है। नगर के लगभग क्षेत्रों में जगह जगह जल भराव हो जाने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही वर्षा के पानी साथ सड़कों पर बह रहा कूड़ा लोगों के लिए मुसीबत बन चुका है। वैसे तो तराई भावर क्षेत्र को पिछले कई दिनों से अच्छी बरसात का इंतजार था। क्योंकि अभी तक क्षेत्र में जो भी बरसात हुई वह पिछले कई वर्षो की अपेक्षा काफी कम आंकी गई है। अब रात्रि से शुरू हुई बरसात आशानुरूप होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। नगर की अनेक कालोनियों व बाजार क्षेत्र में अनेक स्थानों पर बरसात के पानी से जलभराव हो जाने से लोगों को मार्गों पर पैदल चलना मुश्किल हो गया है। बरसात के पानी के साथ नालियों में जमा कूड़ा बाहर निकलकर सड़कों पर बह

सड़कों पर जलभराव के साथ लगे कूड़े के ढ़ेर

रहा है। सबसे बुरी स्थिति ट्रांजिट कैम्प की है जहां झील मोढ़ से चामुण्डा मंदिर तक जर्जर हालत में मौजूद सड़क के गडढ़ों में बरसात का पानी भर जाने से लोगों का पैदल चलना तो दूर वाहनों पर सवार होकर गुजरना भी मुश्किल हो गया है। यहां पानी भरे गडढ़ों में फंसकर कई वाहन पलट चुके हैं। वहीं ट्रांजिट कैम्प की अनेक कालोनियों में जर्जर मार्ग के कारण गंदगी भरे जलभराव से लोगों को किस कदर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा होगा इसका अंदाजा स्वयं ही लगाया जा सकता है। नगर के मुख्य मार्ग पर डीडी चौक पर रोडवेज मोड़ के पास थोड़ी सा बरसात में ही जलभराव हो जाना एक सामान्य सी बात हो चुकी है। यह सब कुछ जानते हुए भी नगर निगम प्रशासन द्वारा कोई ध्यान न देना इस बात को जाहिर कर रहा है कि निगम अधिकारी सफाई कराने के नाम पर सिर्फ कागजी खानापूर्ति कर रहे हैं। इसके अलावा अग्रसेन चौक, आदर्श कालोनी मोड़ तिराहा, गंगापुर मोड़ तिराहा, गाबा चौक, इन्द्रा कालोनी मोड़, सुभाष कालोनी चौराहा समेत तमाम ऐसे स्थान है जहां नाले नालियां चौक हो जाने गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। इधर बरसात के कारण स्कूली छात्र छात्राओं, विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ ही राहगीरों को परेशानियों से जूझना पड़ रहा है। नगर के मुख्य चौराहों पर यातायात पुलिस कर्मी बरसात की परवाह न करते हुए (शेष पृष्ठ सात पर)

आपदा से निपटने को कार्ययोजना बनाकर समन्वय से करे कार्य-रुहेला

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन के उपाध्यक्ष विनय रूहेला कि अध्यक्षता में आपदा प्रबंधन एवं मानसून सत्र की तैयारियों की समीक्षा बैठक एपीजे सभागार में आयोजित हुई। मा. उपाध्यक्ष ने कहा कि आपदा प्रबंधन एवं न्यूनीकरण अति महत्वपूर्ण है इसलिए सभी कार्ययोजना बनाकर समन्वय बनाते हुए कार्य करें। उन्होंने आपदा बाढ दौरान गर्भवती महिलाओं दिव्यांगों की संवेदनशील होकर सहायता करने के साथ ही सडक, विद्युत, पेयजल, खाद्यान्न, स्वास्थ्य व आपदा राहत बचाव आदि संबधित कार्य त्वरित गति से करने के निर्देश दिए। उन्होंने काशीपुर बलिया नाला, भाला नदी, द्रोण सागर में कई स्थानों पर टूट-फूट व सफाई कार्यों को शीघ्र कराने के निर्देश नगर आयुक्त काशीपुर को दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी, कर्मचारी व्यवहार में मधुरता रखें तथा सूचनाओं का त्वरित आदान प्रदान करें, रैन बसेरों में पर्याप्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं ताकि आपदा बाढ दौरान प्रभावितों को तुरंत विस्थापित किया जा सके व उन्हे किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पडेघ। उन्होंने जनपद के आपदा से निपटने की तैयारियों/कार्यों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए संवेदनशील होकर समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक को मुख्यमंत्री के वीडियो संदेश से प्रारंभ किया गया। मुख्यमंत्री ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि पूर्व आपदाओं के देखते हुए आपदा से पूर्व सभी तैयारियाँ कर ली जाए ताकि जन व धन हानि अति न्यून हो। उन्होंने कहा कि आपदा को रोका नहीं जा सकता किन्तु राहत व बचाव कार्यों से हानियों को कम किया जा सकता है। जिला व तहसील स्तर पर 24X7 कंट्रोल रूम संचालित किये जाये व कार्मिकों की 24X7 तैनाती कि जाये साथ ही जनता से संवाद व समन्वय करने के भी निर्देश दिये।उन्होंने कहा मानसून अवधि 15 जून से 30 सितम्बर तक भारी वर्षा हो सकती है अत: आपदा न्यूनीकरण व जान-माल की सुरक्षा हेतु उपकरण खरीदे जाये व पूर्व उपलब्ध उपकरणों का पूर्ण उपयोग किया जाये। उन्होंने गर्भवती महिलाओं का डाटा बेस तैयार करने व जीवनरक्षक दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता रखने के निर्देश दिये साथ ही पेयजल/विद्युत व्यवस्था सुचारू रखने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि वर्षाकाल में लोहे के पुराने पुलों का सेफ्टी ऑडिट करें ताकि कोई अप्रिय घटना घटित न हो। मुख्यमंत्री ने कहा वर्षाकाल में बचाव हेतु आम जनता को जागरूक किया जाये, पीडित व्यक्तियों तक त्वरित राहत पहुंचायी जाए तथा बाढ़ पीड़ितों हेतु राहत शिविरों में सभी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में नदी नालियों की सफाई सुनिश्चित कर ली जाए। मा. मुख्यमंत्री ने सभी अधिकारियों को 24 घंटे फोन खुले रखने के निर्देश दिए साथ ही कहा कि सभी आपदा न्यूनीकरण व आपदा प्रबंधन कार्यों को आपसी समन्वय द्वारा किया जाए, अव्यवस्था व लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि संकल्प लें कि हम सभी मिलकर प्रदेश को आपदाओं से सुरक्षित रखेंगे। समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी उदयराज सिंह ने मा. उपाध्यक्ष को अवगत कराया कि आपदा प्रबंधन की पूर्व तैयारियां कर ली गई हैं, सभी संसाधनों का आंकलन किया गया है तथा सभी अधिकारियों के फोन नं. अद्यतन हैं। उन्होंने बताया कि जनपद में 10 नदियां हैं जिनका जल प्रवाह स्तर अभी न्यून है तथा जलाशयों में भी अलर्ट से अभी 20 फिट नीचे है। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद मुख्यालय व सभी तहसीलों में कंट्रोल रूम 24०7 संचालित हैं। बताया कि जनपद में विगत वर्षों में आपदा की दृष्टि से 52 गांव अतिसंवेदनशील व 70 गांव संवेदनशील चिन्हित किये गये हैं, नियंत्रण हेतु 29 बाढ़ चौकियां व 08 बाढ़ नियंत्रण केन्द्र संचालित हैं तथा 101 आश्रय स्थल चिन्हित किए गए हैं जिनमें 51 हजार लोगों के ठहरने की व्यवस्था है।जिलाधिकारी ने मा. उपाध्यक्ष को बताया कि जनपद स्तर पर न्यूनीकरण निधि में बहुत कम धनराशि आवंटित की जाती है जो जनपद को आपदा से बचाव कार्यों हेतु पर्याप्त नहीं हो पाती। न्यूनीकरण निधि में 05 करोड रूपये की धनराशि आवंटित की जाने की मांग की साथ ही जनपद स्तरीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण/ आपातकालीन परिचालन केन्द्र का सुदृढ़ीकरण तथा तहसील स्तर पर भी आपातकालीन परिचालन केंद्रो की स्थापना करने का सुझाव दिया । उन्होंने सहायता राशि प्रदान करने हेतु मानकों में सरलीकरण किये जाने जनपद के अन्तर्गत निचले स्थानों पर पक्के हेलीपैड का निर्माण करने व जीर्णघ्-क्षीर्ण विद्यालयों के प्रस्तावों पर त्वरित रूप् से धनराशि आवंटित करने का सुझाव दिया । उन्होने सभी अधिकारियों को मा. उपाध्यक्ष द्वारा दिए गए निर्देशों व आपदा गाइडलाइन के अनुसार अनुपालन करते हुए कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार ने पीपीटी के माध्यम आपदा प्रबंधन एवं न्यूनीकरण हेतु जनपद की तैयारियों की विस्तृत जानकारियां दी। इसके उपरांत मा. उपाध्यक्ष व अन्य जनप्रतिनिधि, जिलाधिकारी द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में जल संरक्षण अभियान के तहत पौध रोपण भी किया गया। बैठक में राज्य दर्जा मंत्री उत्तम दत्ता, जिलाध्यक्ष भाजपा कमल जिंदल, गुंजन सुखीजा, मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार, अपर जिलाधिकारी अशोक कुमार जोशी, प्रभागीय वनाधिकारी यूसी तिवारी, मुख्य चिकित्साधिकारी मनोज कुमार शर्मा, उपजिलाधिकारी मनीष बिष्ट, गौरव पांडे, नगर आयुक्त काशीपुर विवेक राय, उप नगर आयुक्त रूद्रपुर शिप्रा जोशी, मुख्य कृषि अधिकारी एके वर्मा, परियोजना निदेशक अजय सिंह, एपीडी संगीता आर्या, मुख्य उद्यान अधिकारी भावना जोशी, जिला शिक्षा अधिकारी डीएस राजपूत, अधिशासी अभियंता सिंचाई पीसी पांडे, पेयजल निगम ज्योति पालनी, विद्युत विजय सकारिया, लोनिवि ओपी सिंह, डीडीएमओ उमाशंकर तिवारी, सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

स्कूल बस ने रौंदा,महिलाओं को रौंदा,एक की मौत, छह घायल

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। गत सायं गदरपुर की ओर जा रही निजी स्कूल की बस ने सड़क किनारे वाहन का इंतजार कर रही महिलाओं को टक्कर मारकर रौद दिया। इस दुर्घटना में एक महिला की मौत हो गई। जबकि छ: अन्य महिलायें गंभीर रूप से घायल हो गईं। सभी को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय ले जाया गया जहां तीन महिलाओं की हालत चिंताजनक देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद अधिकारियों के साथ जिला अस्पताल पहुंचे एसएसपी ने मामले की जानकारी ली। इधर पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने भी चिकिल्सालय पहुंचकर घायल महिलाओं का हाल जाना। जानकारी के अनुसार गत सायं करीब चार बजे एक निजी स्कूल की बस संख्या यूके 06 पीए 1112 रुद्रपुर से गदरपुर की ओर जा रही थी। जब वह फ्लाईओवर से नीचे उतरी तो बस चालक ने पहले सड़क किनारे खड़े केले के ठेले उसके बाद दो बाइकों को टक्कर मारी और फिर एलायंस कॉलोनी के सामने सड़क किनारे वाहन के इंतजार में खड़ीं महिलाओं को टक्कर मार दी। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। दुर्घटना में पिपलिया नंबर एक पोस्ट प्रेमनगर थाना गदरपुर निवासी मीनू (50) पत्नी स्वर्गीय बबलू मिस्त्री, तानिया पुत्री आनंद, पारुल पत्नी रमेश, कविता पत्नी संजय, विसाखा पत्नी विशाल और रोमंद गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने मीनू को मृत घोषित कर दिया। तीन महिलाओं की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें हल्द्वानी के डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल रेफर किया। मीनू की मौत की जानकारी मिलते ही परिजनों में काहराम मच गया।हादसे के बाद कोतवाल धीरेंद्र कुमार व ट्रांजिट कैंप के इंस्पेक्टर भारत सिंह मय पुलिस बल के दुर्घटनास्थल पहुंचे और उन्होंने लोगों से आवश्यक जानकारी ली तथा बस को कब्जे में ले लिया है। चालक को भी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि बस चालक नशे में था। एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने एसपी सिटी मनोज कत्याल, एसपी क्राइम चंद्रशेखर घोड़के, सीओ सिटी निहारिका तोमर के साथ अस्पताल पहुंचकर घटना की जानकारी ली। उधर पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल समेत एलायंस कालोनी के तमाम लोग भी जिला चिकित्सालय पहुंचे और उन्होंने घायल महिलाओं का हाल जाना। मृतका मीनू के देवर नारायण मिस्त्री ने पुलिस को तहरीर देकर बस चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। बताया जाता है कि मृतका मीनू एलायंस कॉलोनी में एक संभागीय अधिकारी के घर में काम करती थी। वहीं घटना में अन्य घायल महिलाएं भी इसी कालोनी में घरों में काम करती हैं। मृतका मीनू के तीन बच्चे हैं। जिनमें दो विवाहित हैं। पति बबलू की चार महीने पहले बीमारी की वजह से मौत हो गई थी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

समीक्षा बैठक कल

रूद्रपुर। जिलाधिकारी उदयराज सिंह ने बताया कि मा0 उपाध्यक्ष उत्तराखण्ड अल्पसंख्यक आयोग 4 जुलाई को 11 बजे विकास भवन सभागार में जन-जानकारी अभियान कार्यक्रम एवं जनपदीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेगें। उन्होने अधिकारियों से कहा है कि अपने विभाग से सम्बन्धित समस्त सूचनाओं सहित निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

स्टेट बैंक स्थापना दिवस पर किया पौधारोपण

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। डॉक्टर दिवस और स्टेट बैंक स्थापना दिवस के अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक के इंदिरा चौक स्थित मुख्य बैंक शाखा के प्रांगण में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर स्टेट बैंक आफ इंडिया के अधिकारी कर्मचारियों सहित ,तराई विकास समिति के अनेक अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे। सीनियर सिटीजन वेलफेयर सोसाइटी के प्रांतीय अध्यक्ष डॉक्टर एल एम उप्रेती ,प्रदेश उपाध्यक्ष जी सी जोशी, वरिष्ठ सदस्य एल सी पंत , अमरीक सिंह के अलावा डा मनमोहन सिंह पूर्व बैंक ऑफ इंडिया अधिकारी, शंकर चक्रवर्ती, एसबीआई और वर्तमान बैंक मैनेजर अनीता शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस क्रिएटिव उत्तराखंड के हेम पंत सहित अनेक पूर्व बैंक आधिकारी भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाना और पेड़ों को बचाना पृथ्वी को बचाने के लिए और पर्यावरण बचाई रखने के लिए अति आवश्यक है। इस अवसर पर मुख्य रूप से नीम, पीपल, कटहल, आम ,पारिजात, पीपल आदि के पेड़ लगाए गए । भारतीय स्टेट बैंक के कर्मचारियों द्वारा इनकी देखरेख की व्यवस्था भी की जाएगी। इसमें तराई विकास समिति भी अपना पूरा योगदान देगी। समिति से आए तेजिंदर शाही ने इस बात का आश्वासन दिया कि भविष्य में परिसर में किसी प्रकार का निर्माण होने पर इन पेड़ों को बचाने का पूरा प्रयास किया जाएगा। इन्हें आवश्यकता पड़ने पर ट्रांसप्लांट करने की भी जरूरत पड़ी तो किया जाएगा।

आरएएन में बच्चों को दिये स्मरण शक्ति बढ़ाने के टिप्स

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।आर.ए.एन. पब्लिक स्कूल में कक्षा आठवीं से 12वीं के विद्यार्थियों के लिए शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बढ़ाने पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं स्मृति शक्ति को बढ़ाना था।कार्यक्रम का शुभारम्भ विशिष्ट अतिथि न्यूरोलॉजिस्ट गौतम हॉस्पिटल डॉक्टर सुनील सिंह गौतम, विद्यालय प्रबंधक मोहित राय एवं प्रधानाचार्या श्रीमती भावना भनोट ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके किया । तत्पश्चात सभी डॉक्टरों को उनके अतुलनीय कार्यों के लिए धन्यवाद किया गया। डॉ गौतम ने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के बारे में विस्तार से बताते हुए स्मरण शक्ति को बेहतर बनाने के कई आसान तरीकों के बारे में बताया एवं स्मरण शक्ति को बढ़ाने नए-नए गुण सिखाएद्य विद्यालय प्रबंधक मोहित राय ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य जीवन में ऊंचाइयों को हासिल करने के में अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को इसके प्रति जागरुक करते हुए कहा कि इस तरह की कार्यशाला उन्हें मानसिक रूप से स्वस्थ बनाने में मदद करेगी। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य श्रीमती भावना भनोट ने डॉ सुनील सिंह गौतम एवं प्रबंधक मोहित राय को अपना कीमती समय देने के लिए धन्यवाद दियाद्य उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि यह जानकारी अपने रोज के जीवन में लाने से उनका मानसिक स्वास्थ्य एवं याद रखने की क्षमता में वृद्धि होगी तथा जीवन में आगे बढ़ाने में सहायक होगी।विद्यार्थियों ने इस इस कार्यशाला में बड़ी उत्सुकता से भाग लिया और डॉक्टर गौतम द्वारा दी गई जानकारी को सराहा। यह कार्यशाला विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है और उन्हें एक स्वस्थ और संतुलित जीवन के लिए प्रेरित करेगी।

दुकान में आग लगने से लाखों की क्षति

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। बनभूलपुरा थाने से कुछ ही दूरी पर बैंगल स्टोर की दुकान में आग लगने हड़कम्प मच गया। देखते ही देखते आग ने अपना विकराल रूप धारण कर लिया स्थानीय लोगों ने दुकान स्वामी व दमकल कर्मियों को सूचना दी और आग बुझाने का प्रयास किया। चोरगलिया रोड स्थित बनभूलपुरा थाने के निकट लाइन नंबर 11 निवासी अफरोज कमाल पुत्र शरीर अहमद की अनस बैंगल स्टोर के नाम से दुकान है जिसमें सोमवार की देर रात स्थानीय लोगों ने दुकान से धुआं उठते हुए देखा जिसकी सूचना स्थानीय लोगों ने दुकान स्वामी को दी देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया और दमकल और पुलिस को सूचना दी । जब तक दमकल कर्मी पहुंचते तब तक दुकान में रखा सारा कॉस्मेटिक का सामान जलकर राख हो गया।दुकान स्वामी अफरोज ने बताया आग लगने से दुकान में लगभग 35 लख रुपए का सामान जलकर राख हो गया । बताया कि कुछ सामान स्थानीय लोगों ने आग से बचा लिया था लेकिन वह पानी पड़ने से खराब हो गया है। अफरोज का कहना है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी। स्थानीय लोगों व बनभूलपुरा थाना पुलिस की सूझबूझ से जल्द ही आग पर काबू पा लिया गया नहीं तो आग अन्य दुकानों में भी फैल सकती थी।

क्या अंग्रेजी दवाईयां आपका रोग ठीक करने में नाकाम हैं तो मिलें–

विजय आयुर्वेद क्लीनिक

पंचकर्म सेन्टर

निम्न रोगों के इलाज में 16 वर्षों का अनुभवः–

पार्किन्सन्स, अल्जाइमर, मानसिक विकार,निःसन्तान स्त्री-पुरूष की सभी चिकित्सायें, ट्यूब ब्लॉक, सिस्ट, कीटाणु की कमी आदि। डिस्क प्रोलेप्स सर्वाइकल, गठिया, घुटने का दर्द,किडनी रोग (डायलिसिस से पहले)

लीवर सिरोसिस, हैपेटाइटिस B&C, Fatty Liver प्रोस्टेट रोग

असाध्य एवं लाइलाज रोगियों की चिकित्सा शुद्ध आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा की जाती है।

DR. VIJAY PRAKASH MISHRA
M.D. (Ayurveda)
Mob.: 9410897970

DR. ASHWINI MISHRA
M.D. (Ayurveda)
स्त्री एवं त्वचा रोग

मिलने का समय : प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक (शुक्रवार अवकाश)

होटल राजश्री के सामने, गली नं0 2, डॉक्टर्स कालोनी
डी। डी 2 सिविल लाईन, रूद्रपुर (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

मॉर्निंग वॉक के लिए निकला युवक लापता

काशीपुर(उद संवाददाता)। सुबह सवेरे घर से टहलने के लिए निकला एक युवक बेहद संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर गुमशुदगी दर्ज कर गायब युवक का पता लगाना शुरू किया है। जानकारी के मुताबिक उजाला अस्पताल के समीप मानपुर नई बस्ती निवासी हरिंदर सिंह रावत का 18 वर्षीय पुत्र अनुराग सिंह रावत बीते 1 जुलाई की सुबह लगभग 6:00 बजे घर से मॉर्निंग वॉक के लिए निकला लेकिन काफी देर बीत जाने के बाद भी वापस घर नहीं लौटा। देर तक घर में लौटने पर परिजनों को इसकी चिंता सताने लगी। उन्होंने तमाम संभावित स्थानों पर तलाश के बाद मामले की तहरीर पुलिस को दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर गुमशुदगी दर्ज कर गायब युवक का पता लगाना शुरू कर दिया।

आवश्यकता है

अकाउंटेंट टेली–	3 वर्ष का अनुभव
फील्ड ऑफिसर–	3 वर्ष का अनुभव
रिसेप्शनिस्ट–	2 वर्ष का अनुभव
सुपरवाइजर–	3 वर्ष का अनुभव
माली–	3 वर्ष का अनुभव
चपरासी	

Mail yr bio data on
Aalishan.uk@gmail.com

–संपर्क करें–
मो.9568300015,17

विघ्नेश्वराय वरदाय सुरप्रियाय लम्बोदराय सकलाय जगद्धिताय ।
नागाननाय श्रुतियज्ञविभूषिताय गौरीसुताय गणनाथ नमो नमस्ते ।।

हमारे यहां कुंडली बनाने व दिखवाने एंव वैदिक ब्राह्मणों द्वारा रूद्राभिषेक, दुर्गा सप्तशती पाठ महामृत्युंजय जप, ग्रह शांति, शतचंडी यज्ञ एवं समस्त यज्ञ जप इत्यादि समस्याओं का समाधान के लिये संपर्क करें :

आचार्य गोपाल शास्त्री जी : 7248133454

जिला आबकारी अधिकारी को रिश्वत लेते रंगे हाथ दबोचा

रुद्रपुर(उद संवाददाता)।विजिलेंस की टीम ने जिला आबकारी अधिकारी को 70 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ लिया। सतर्कता विभाग के निदेशक डॉ. वी मुरुगेशन ने ट्रैप करने वाली टीम को नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। मंगलवार को सतर्कता अधिष्ठान के पुलिस उपाधीक्षक अनिल मनराल के पर्यवेक्षण में टीम रुद्रपुर पहुंची। यहां टीम ने जिला आबकारी अधिकारी जी-8 प्रकाश सिटी काशीपुर निवासी अशोक कुमार मिश्रा को 70 हजार रुपये की रिश्वत लेते कार्यालय से रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। सीओ मनराल ने बताया कि खटीमा के देसी मदिरा की दुकान स्वामी ने साल 2023-24 में

आवंटित दुकान का इस साल नवीनीकरण कराया। वर्ष 2023-24 में दुकान स्वामी की ओर से पूरा अधिभार जमा करा दिया गया था। पिछले वर्ष में जमा अधिभार का 10,21,417 रुपये का माल वह नहीं ले पाया था। आरोप है कि इस माल को लेने के लिए उसने जिला आबकारी अधिकारी मिश्रा से मांग की। इस पर मिश्रा ने अधिभार के 10 प्रतिशत के हिसाब से रिश्वत मांगी। इस पर उसने विजिलेंस में शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की। सीओ ने बताया कि जांच में आरोप के तथ्य सही पाए जाने पर निरीक्षक विनोद कुमार यादव के नेतृत्व में ट्रैप टीम का गठन किया। टीम ने जिला आबकारी अधिकारी मिश्रा को शिकायतकर्ता से 70 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए उनके कार्यालय से रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। ट्रैप टीम आरोपी से पूछताछ में जुटी है। बताया कि आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत विधिक कार्रवाई की जाएगी। सतर्कता निदेशक डॉ. मुरूगेशन ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चल रहा है। किसी भी अधिकारी या कर्मचारी रिश्वत मांगने पर विजिलेंस के टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर-1064 या व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर 9456592300 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

गुरु को हुई जेल चेले की उड़ी हवाईयां

काशीपुर(उद संवाददाता)। विजिलेंस की टीम द्वारा जिला आबकारी अधिकारी अशोक मिश्रा को 70 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किए जाने के बाद उसके चेले को कानून का भय सताने लगा है। सूत्रों का कहना है कि गुरु चेले दोनों ही एक थैली के चट्टे बट्टे हैं। कार्यवाही के बाद से गिरफ्तार अशोक मिश्रा का चेला काफी सतर्क व चौकन्ना हो गया। यहां बता दे कि रिश्वतखोरी के आरोप में पकड़ा गये अशोक मिश्रा ने लगभग 20 वर्ष की नौकरी के दौरान करोड़ों की संपत्ति जुटाई। रिश्वतखोरी के आरोपों में वह शुरू से विवादों में रहा। मूल रूप से उत्तर प्रदेश के जनपद जौनपुर के रहने वाले अशोक मिश्रा की गिरफ्तारी के बाद आबकारी विभाग के तमाम कर्मचारी व अधिकारियों ने राहत की सांस ली है वही कार्यवाही के बाद से पकड़े गए अशोक मिश्रा के पदचिन्हों पर चलने वाला उसका एक चेला कानून के भय से काफी बौखलाया हुआ है। शराफत का लबादा ओढ़ कर वह भी पिछले कई वर्षों से अवैध उगाही एवं घूसखोरी जैसे गैर कानूनी कार्य में लिप्त बताया जा रहा है।

शोषण के खिलाफ रूद्रपुर में मजदूर महापंचायत 7जुलाई को

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। श्रमिक संयुक्त मोर्चा द्वारा सिडकुल की कई कम्पनियों में श्रमिकों के किये जा रहे उत्पीड़न व शोषण के खिलाफ आगामी 7 जुलाई को मजदूर महापंचायत का आयोजन किया गया है। यह जानकारी देते हुए मोर्चा के अध्यक्ष दिनेश चन्द्र तिवारी व महासचिव चन्द्र मोहन लखेड़ा ने बताया कि भाजपा सरकार में सिडकुल पंतनगर में पूंजीपतियों को मजदूरों का शोषण उत्पीड़न करने की खुली छूट मिली हुई है। न्यूनतम वेतन की मांग करने पर जिला प्रशासन द्वारा पीड़ित मजदूर नेताओं पर गुंडा एक्ट लगाकर जिला बदर करने के नोटिस जारी किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि डॉल्फिन, लुकास टीवीएस, करोलिया और इंटरार्क सहित कई कम्पनियों के मजदूर अविधिक रूप से नौकरी से निलंबित और बर्खास्त हैं। ऐसे में मजदूरों को एकजुट होकर संघर्ष करने की जरूरत है। उन्होंने सभी मजदूरों से आयोजित महा पंचायत में शामिल होकर मजदूर एकता को मजबूत करने की अपील की है।

बेहड़ ने पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए डीआईजी को लिखा पत्र

किच्छा(उद संवाददाता)। विधायक तिलक राज बेहड़ के कार्यालय में जनसंवाद कार्यक्रम में पंतनगर झा कालोनी निवासी एक व्यक्ति ने अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ के अपनी पुत्री जो कि पीडित है उनका पुलिस द्वारा अभी तक मुकदमा दर्ज न किये जाने पर मदद की गुहार लगाई । उन्होंने विधायक बेहड़ को बताया कि उन्होंहे पंतनगर थानाधय्क्ष के साथ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ऊधम सिंह नगर को भी लिखित में मुकदमा लिखे जाने हेतु पत्र लिखा गया है तथा मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी शिकायत की गयी है किन्तु फिर भी अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुयी है। इस पर विधायक बेहड़ ने पुलिस उपमहानिरीक्षक,कुमायूं मण्डल से फोन पर वार्ता की तथा एक पत्र

लिख कर पीडिता को न्याय दिलाये जाने हेतु उनका मुकदमा दर्ज करने तथा निलंबित राजेन्द्र सिंह डांगी को पुलिस मुख्यालय देहरादून में अटैच करने की मांग की। इससे पूर्व जनसंवाद कार्यक्रम के तहत पूर्व स्वास्थ्य मंत्री ओर विधायक तिलक राज बेहड़ के आवास विकास स्थित कार्यालय पर तमाम क्षेत्रवासियों ने अपनी समस्याएं रखी। जिस पर विधायक बेहड ने उनकी समस्याओं का संज्ञान लेते हुए उसके निदान हेतु आवशयक कार्यवाही की ।जिसमें क्षेत्र वासियों ने उन्हें राशन कार्ड, पेंशन,आर्थिक सहायता, बिजली, पानी, स्वास्थ्य , शिक्षा जैसी तमाम समस्याएं उनके सामने रखी।इस दौरान वार्ड न०-12 निवासी मालती देवी,वार्ड न०-02 निवासी रेखा,वार्ड न०13 से धर्मवीर,वार्ड न०-15 से ताहिर ने पुत्रियों की शादी हेतु आर्थिक सहायता दिलाये जाने की अंग की द्य आजादनगर वार्ड न०-02 निवासियों ने सड़क निर्माण को लेकर मुलाकात की। विधायक बेहड ने सभी क्षेत्रवासियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और अधिकाँश समस्याओं का मौके पर ही निश्तारण किया तथा और संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के निस्तारण हेतु निर्देशित किया।

मूसलधार बारिश से सितारगंज में हॉस्पिटल, सड़कें और कालोनी जलमग्न

सितारगंज (उद संवाददाता)। लगातार हो रही बारिश से शहर की सड़क, हॉस्पिटल और कॉलोनी जलमग्न हो गई है। सरकारी अस्पताल परिसर और डॉक्टर कॉलोनी में भी जल भराव होने के कारण चिकित्सकों को काफी दिक्कतें हो रही हैं। जिम्मेदारों ने जल निकासी के लिए अधिकारियों को सूचित कर दिया है। झमाझम बारिश होने के बाद विभिन्न स्थानों पर जल भराव हो गया। पानी निकासी नहीं होने के कारण सरकारी अस्पताल के मुख्य गेट, डॉक्टर कालोनी

और परिसर में जलजमाव होने से डॉक्टर और स्टाफ परेशान रहे। अस्पताल के गेट पर पानी जमा होने से गर्भवती महिलाओं और उनके तीमारदारों को काफी दिक्कतें झेलनी पड़ी। इसके अलावा बारिश से शहर की विभिन्न कॉलोनी, सड़कों में जलभराव की स्थिति बनी रही। नगर पालिका प्रशासन सूचना पर जेसीबी मशीनों से जलनिकासी करने में जुटा हुआ है। इधर लोक निर्माण विभाग के जेई सतपाल सिंह ने बताया कि सड़कों में जल निकासी के लिए टीमें लगातार कार्य कर रही हैं। पूर्व सभासद रवि रस्तोगी ने बताया कि जल भराव की सूचना पर विभिन्न स्थानों पर प्रशासन की मदद से जल निकासी कराई गई है।

किराये हेतु गोदाम उपलब्ध है

काशीपुर रोड गाबा चौराहा से 5 किमी. दूरी एनएच पर 12500 स्क्वायर मीटर के दो गोदाम खाली है।
सम्पर्क करें:-
9837041659

जनसमस्याओं के निस्तारण को अधिकारी रहे संवेदनशील:डीएम

जिलाधिकारी उदय राज ने तहसील दिवस पर फरियादियों की समस्याओं का कराया निस्तारण,अधिकारियों को दिये निर्देश

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। सरकार की मंसा को साकार करते हुये जिलाधिकारी उदयराज सिंह ने रूद्रपुर तहसील दिवस में प्राप्त 38 शिकायतों में से 12 शिकायतों को मौके पर ही निस्तारण किया। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार द्वारा तहसील दिवस का आयोजन कर जनता की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करना है इसलिए सभी अधिकारी तहसील दिवसों में उठी जन समस्याओं को संवेदनशील होकर व गम्भीरता से लेते हुये समयबद्ध निस्तारण करना सुनिश्चित करें। उन्होने कहा जो शिकायतें विभागों को निस्तारण हेतु हस्तगत की गयी है उन्हे अधिकारी स्वंय मॉनिट्रिंग करेगें व निस्तारित करायेगें। उन्होने उप जिलाधिकारी को निर्देश दिये कि तहसील दिवस में प्राप्त शिकायतों व निस्तारण को सीएम समर्पण पोर्टल में अपलोड करें। तहसील दिवस में संकल्प पवार ने बताया कि स्थाई निवास प्रमाण आवेदन किया है जो अभी तक जारी नही हुआ। जिस पर जिलाधिकारी के निर्देश पर तत्काल स्थाई निवास प्रमाण पत्र जारी किया गया। इसी तरह संजीदा वेगम सुभाष कालोनी, सबरा प्रीत बिहार ने कहा कि वे बहुत गरीब है उन्होने अन्त्योदय राशन

कार्ड बनाने का अनुरोध किया। जिस पर जिलाधिकारी ने मानकों के अनुसार त्वरित कार्य करने के निर्देश दिये। आरती, सुमन देवी, माया देवी निवासी मलसी ने आवास दिलाने का अनुरोध किया। जिस पर जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी को आवासीय योजना में सूचीबद्ध करने के निर्देश दिये। सुनील कश्यप ग्राम प्रधान मलसा गिरध रपुर ने प्राथमिक विद्यालय व समश्यान घाट में मिट्टी भरान एवं हैण्डपम्पों की मरम्मत का अनुरोध किया। जिस पर जिलाधिकारी ने कहा कि रायलटी व ट्रांसपोर्ट व्यय करने पर मिट्टी भरान हेतु स्वीकृति दी जायेगी तथा हैण्डपम्पों की मरम्मत कराने हेतु अधिशासी अभियंता जल निगम को निर्देश दिये। ग्राम प्रधान नारायणपुर कोठा दीपक मिश्रा ने कहा कि नहर पर अवैध कब्जा कर लिया गया है जिससे क्षेत्र में जल भराव की समस्या होती है। जिस पर जिलाधिकारी ने जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता सिंचाई को निरीक्षण कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये। दीपक मिश्रा ने अवगत कराया कि लालपुर क्षेत्र में अवैध कालोनियां विकसित हो रही जिसे जांच कर कार्यवाही करने की मांग रखी। जिस पर जिलाधिकारी ने वीसी जिला विकास प्राधिकरण को जांच कर नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। दीपक मिश्रा ने लालपुर से नारायणपुर कोठा तक सड़क को ठीक करने का अनुरोध किया। जिस पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता लोनिवि को तत्काल गड्ढे भरान करने के निर्देश दिये। तहसील दिवस में राजस्व विभाग की 06, पूर्ति विभाग की 07, स्वास्थ्य विभाग की 02, नगर निगम की 04, आवास विभाग की 05, ओसी की 3, एसडीएम काशीपुर की 01, बाजपुर की 01, किच्छा की 01, जिला प्राधिकरण की 01, जल निगम की 01, सिंचाई विभाग की 02, लोनिवि की 01, पुलिस विभाग की 02 एवं जिला सैनिक कल्याण विभाग की 01 समस्यां/शिकायते प्राप्त हुई। तहसील दिवस में वीसी जिला विकास प्राधिकरण अभिषेक रूहेला, डीएफओ यूसी तिवारी, मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार, अपर जिलाधिकारी अशोक कुमार जोशी, पीडी अजय सिंह, सीएमओ डॉ0 मनोज शर्मा, उप जिलाधिकारी मनीष बिष्ट, उप नगर आयुक्त शिप्रा जोशी, जिला शिक्षा अधिकारी डीएस राजपूत, जिला समाज कल्याण अधिकारी अमन अनिरुद्ध, जिला युवा कल्याण अधिकारी बीएस रावत, अधिशासी अभियंता सिंचाई पीसी पाण्डे, पेयजल ज्योति पालनी, जल संस्थान तरूण शर्मा, विद्युत विजय सकारिया आदि मौजूद थे। तहसील दिवस के दौरान काफी संख्या में जनता अपनी-अपनी समस्याओं को लेकर पहुंची थी।

आरएएन के तेजस व प्रबल बने अंडर 13 बैडमिंटन के विजेता

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। उत्तरांचल स्टेट बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा स्पोर्टस स्टेडियम सूरजकुंड बागेश्वर में गत 28 जून से 2 जुलाई तक आयोजित 22वीं राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में आरएएन पब्लिक स्कूल रुद्रपुर के तेजस जोशी व प्रबल कार्की की जोड़ी अंडर 13 बैडमिंटन प्रतियोगिता में चमोली के समय भट्ट व सूर्य मेहता को हराकर अंडर 13 बालक वर्ग के विजेता बनी तथा आगामी होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपना स्थान पक्का किया। इस अवसर पर निवर्तमान मेयर रामपाल सिंह ने कहा कि तेजस जोशी ने हमारे शहर के साथ साथ प्रदेश का नाम भी रोशन किया है। बैडमिंटन खेल हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं जो हमें उर्जावान एवं सकारात्मक बनाता हैं। जिस प्रकार खेल के क्षेत्र में आज हमारे शहर के खिलाड़ी अपना प्रदर्शन कर रहे हैं यह हमारे लिए गर्व की बात है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं खेल मंत्री रेखा आर्य द्वारा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए मुख्यमंत्री उदयमान खिलाड़ी योजना बनाकर खिलाड़ियों को खेलों से जोड़ने के लिए

सराहनीय काम कर रहे हैं। उन्होंने खेल के आयोजन के लिए आयोजन समिति केअधिकारियों को बधाई दी तथा सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी ।इस अवसर पर डिसएबल स्पोर्टिंग सोसायटी के प्रदेश अध्यक्ष भारत भूषण चुघ ने कहा कि तेजस जोशी ने रुद्रपुर को गोरावांवित किया है। सरकार के प्रयासों से राज्य में खेल संस्कृति का निरन्तर प्रसार हो रहा है। खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में निरंतर बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। तेजस जोशी ने हम सब का मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्था द्वारा खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर काम किया जा रहा है और भविष्य में खिलाड़ियों की आवश्यकता अनुसार उनकी संभव मदद की जाएगी। इस दौरान समाजसेवी शिव कुमार अग्रवाल, डिसएबल स्पोर्टिंग समिति के संरक्षक जेबी सिंह, कुमाऊं विश्व विद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी डॉ नागेंद्र प्रसाद शर्मा, अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग खिलाड़ी हरीश चौधरी, सत्य प्रकाश, प्रीति गोस्वामी, निर्मला मेहता, नीलिमा राय, प्रेम विश्वास, अनु चौधरी सहित तमाम खेल प्रेमियों और क्षेत्रवासियों ने तेज जोशी के पिता अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी शरद जोशी एवं माता डॉ ममता जोशी को बधाई दी।

तहसील दिवस पर उठाई राजपुरा की कई समस्याएं

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। तहसील दिवस में यूथ कांग्रेस प्रदेश

उपाध्यक्ष हेमन्त साहू की अगुवाई में राजेन्द्र नगर राजपुरा के लोगों ने बिजली कटौती बन्द करने, राजपुरा में सीवर लाईन बिछाने, बन्द पड़ी स्ट्रीट लाइटों को ठीक करने सहित सोबन सिंह जीना बेस हॉस्पिटल में डायलिसिस सेन्टर की व्यवस्थाओं को ठीक करने व स्टाफ की कमी दूर करने समेत तमाम मांगो को प्रभारी अधिकारी के सामने रखा। साहू ने पूर्व में दर्ज शिकायतों पर ठोस कार्यवाही नही होने पर कड़ी नाराजगी जाहिर की। एसडीएम ने सभी विभागों को सख्त कार्यवाही के निर्देश दिये। प्रीती आर्या बिजली ने कहा बिजली कटौती की वजह से इलाके में पेयजल संकट गहराता जा रहा है। जिस पर तत्काल कार्यवाही करते जल संस्थान द्वारा तिकोनिया में काम शुरू करवाया गया।

प्रकृति बचाओ कार्यक्रम के तहत पौधारोपण अभियान किया शुरू

हल्द्वानी। जिस प्रकार मानव स्वास्थ्य के अस्तित्व के लिए स्वस्थ भोजन की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार स्वच्छ हवा के महत्व से कोई भी इनकार नहीं करता है। पेड़-पौधे बहुत महत्वपूर्ण हैं। दावत ए इस्लामी हिंद के कल्याण विभाग जीएनआरएफ (गरीब नवाज रिलीफ फाउंडेशन) ने 1 जुलाई से 10 जुलाई के बीच पूरे देश में बड़ी संख्या में पौधे लगाने का फैसला किया है। इस अभियान को सफल

बनाने के लिए काउंसिल ऑफ दावत ए एल इस्लामी हिंद के पर्यवेक्षक सैयद आरिफ अली अत्तारी ने जामिया अल अशरफिया मुबारकपुर के परिसर में स्वयं पौधा रोपण किया और एक वीडियो संदेश के माध्यम से देशवासियों से देश भर में पेड़ लगाने की अपील की है। दावत ए इस्लामी ने थाना बनभूलपुरा मैं थानाध्यक्ष नीरज भाकुनी के साथ मिल कर एक पोधा लगाया। नीरज भाकुनी ने इस मुहिम के लिए बधाई दी।

जागरूकता अभियान में नये कानूनों की दी जानकारी

हल्द्वानी। एक जुलाई से नये अपराधिक कानून देशभर में लागू हो गए हैं। इन कानूनों के तहत अभियोग पंजीकरण और न्यायिक प्रकिया शुरू होगी। इसे लेकर पुलिस जनता में जागरूकता पैदा कर रही है। नए आपराधिक कानूनों को लेकर एसएसपी पीएन मीणा के निर्देश पर जिले में पुलिस जागरूकता अभियान चला रही है। इसके तहत बनभूलपुरा थाने में एसओ नीरज भाकुनी ने क्षेत्र के लोगों के साथ बैठक की और कानूनों के प्रारूप की जानकारी दी। जागरूकता के माध्यम से जनता में इन कानूनों को अपनाने पर जोर दिया गया। इस दौरान एसआई विनोद घई, निधि शर्मा, महबूब आलम, इसरार हुसैन, इशरत अली लईक कुरैशी मुन्ना सलमानी नबी अहमद शोएब अहमद विक्की खान चांद बाबू समेत कई लोग शामिल रहे।

जोशीमठवासियों के साथ किया गया सौतेला व्यवहार : सुमित

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। बद्रीनाथ उपचुनाव को लेकर विधायक सुमित हृदयेश कांग्रेस प्रत्याशी लखपत सिंह बुटोला के समर्थन में बद्रीनाथ पहुँचे और उन्होंने वहाँ बद्रीनाथ विधानसभा क्षेत्र के पीपलकोटि, गडोरा, लुहा, दिगोली, माणा गाँव, जोशीमठ के ग्राम सेलंग, पैनी में घर घर पहुँचकर प्रचार प्रसार किया। स्थानीय लोगो से कांग्रेस प्रत्याशी लखपत बुटोला के पक्ष में मतदान करने की अपील करते हुए विधायक सुमित ने कहा कि पिछले वर्ष एनटीपीसी द्वारा किए जा रहे टनल के कार्य से कई घरों में दरार आ गई थी। सरकार ने उन्हें अनदेखा किया और अब प्रभावित घरों की संख्या 1200 के पास पहुँच चुकी है। परंतु सरकार को उनकी परेशानी से कोई लेना देना नहीं है। ऐसा प्रतीत हो रहा है जैसे सरकार ने आस्था के केन्द्र जोशीमठ के साथ सौतेला व्यवहार किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा उपचुनाव में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर रही हैं। जो लोक तांत्रिक मूल्यों के विपरीत हैं। विधायक हृदयेश ने कहा कि भाजपा सरकार जितना भी धनबल लगा ले लेकिन

इस बार बद्रीनाथ की देवतुल्य जनता ने अपना मन कांग्रेस प्रत्याशी को विजय बनाने के लिए बना लिया हैं। जनभ्रमण में उनके साथ उत्तराखण्ड कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन महरा, खटीमा विधायक, उप नेता सदन भुवन कापड़ी,पूर्व विधायक रणजीत रावत,पूर्व विधायक ललित फर्सवान,कमल रतूड़ी,सुखदेव सिंह, भरत सिंह कुंवर आदि कांग्रेसी शामिल रहे।

फांसी लगाने के पांच माह बाद महिला ने दम तोड़ा

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। पांच वर्ष पूर्व बागेश्वर में पति से अनबन के बाद फांसी लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास करने वाली महिला की लम्बे समय तक उपचार कराने के बाद आज उसके जगतपुरा स्थित मायके में मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। जानकारी के अनुसार मौहल्ला मुखर्जीनगर जगतपुरा निवासी 22 वर्षीय प्रियंका मंडल पुत्री गौरंग मंडल का विवाह दो वर्ष पूर्व रानीपुर पीलीभीत निवासी कृष्णा राय के साथ हुआ था। शादी के बाद दोनों बागेश्वर चले गये जहां वह सिलाई का काम करते थे। बताया जाता है कि करीब पांच माह पूर्व प्रियंका व कृष्णा के मध्य किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था। जिससे नाराज होकर प्रियंका ने घर में ही फांसी लगाकर

आत्महत्या की कोशिश की थी। सूचना मिलने पर उसके मायके वाले बागेश्वर पहुंचे। तब से उसका मायके वालों द्वारा लगातार बागेश्वर, अल्मोड़ा, बरेली, हल्द्वानी व ऋषिकेश सहित कई स्थानों पर उपचार करवाया गया। लेकिन उसके स्वास्थ्य में कोई सुधार न होने पर चिकित्सकों की सलाह पर परिजन उसे विगत दिवस यहां जगतपुरा घर ले आये। जहां प्रियंका ने दम तोड़ दिया। प्रियंका के मायके वालों का आरोप है कि पांच माह तक उसका उपचार कराने के दौरान प्रियंका को देखने के लिए उसके ससुराल से पति सहित कोई भी नहीं आया। आज उसकी मौत होने पर सूचना देने के बाद भी अभी तक कोई नहीं आया है। मृतका प्रियंका तीन बहनों में सबसे बड़ी थी उसका एक भाई है। प्रियंका की मौत से कोहराम मचा है।

प्राकृतिक आपदा को लेकर शासन प्रशासन है सतर्क: रुहेला

बरसात के समय किसी भी प्रकार की कोई जनहानि न हो इसको लेकर सरकार हर मोर्चे पर अलर्ट मोड मे

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। मानसून के मद्देनजर आपदा को लेकर शासन प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है और सभी संबंधितअधिकारियों की बैठक लेकर उन्हें आपदा प्रबंधन तैयारियां दुरुस्त रखने के निर्देश दिए जा रहे हैं। दर्जा मंत्री उपाध्यक्ष आपदा प्रबंधन विभाग विनय रूहेला ने यहां भाजपा कार्यालय में प्रेसवार्ता मे कहा कि मानसून ने प्रदेश मे दस्तक दे दी है। जिसके चलते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर वह कुमाऊ भ्रमण पर निकले है और आपदा को लेकर हर जिले की समीक्षा बैठक ले रहे। उन्होंने कहा कि आज भी कलेक्ट्रेट सभागार मे आपदा की तैयारियो को लेकर बैठक के निमित्त उधम नगर प्रवास पर आना हुआ है। आपदा को लेकर सभी विभाग मुस्तैद रहे। रूहेला ने कहा जिला प्रशासन आपदा को लेकर अपनी तैयारी पूरी रखे। साथ ही बाढ़ ग्रस क्षेत्रों मे राहत समाग्री बचाव कार्य हेतु टीमें पहले से तैयारी रखे। सड़को की हालत दुरुस्त हो और नालो की की सफाई सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि बरसात के बाद उन क्षेत्रों मे होने वाली बीमारियों को लेकर सीएमओ स्तर पर दवाइयो की व्यवस्था तो वही बरसात के कारण विद्युत कटौती करंट लगने जैसी घटना को लेकर बिजली विभाग को चौकास रहने के निर्देश दिए गए हैं। श्री रूहेला ने कहा हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि बरसात के समय किसी भी प्रकार की कोई जनहानि न हो इसको लेकर सरकार हर मोर्चे पर अपनी अधिकारियो को अलर्ट मोड मे रहने को कहा है। रुहेला बोले प्रदेश के मुख्यमंत्री प्रदेश मे आपदा को लेकर स्वयं कई दौर की बैठक कर चुके है और हालातों पर नजर बनाये हुए है। उन्होंने कहा कि आज इसको लेकर वह आपदा प्रबंधन की तैयारियो की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट मे लेंगे जिसमे तैयारियो का जायजा लेगे और

जनता के अनुरूप सभी व्यवस्था उचित प्रकार से हो इसके निर्देश दिये जायेगे।प्रेस वार्ता मे भाजपा जिला अध्यक्ष कमल जिंदल, दर्जामंत्री उत्तम दत्ता, रामपाल, अनिल चौहान, महामंत्री अमित नारंग, जिला मीडिया प्रभारी मयंक कक्कड़, गजेंद्र प्रजापति, रश्मि रस्तोगी, कुदीप गंगवार, धीरेश गुप्ता, अक्षय अरोरा, इंद्रपाल, राजेश तिवारी, शाहखान, परवेज खान, अनमोल विर्क, गोल्डी मुंजाल, जीतेन्द्र संधू बिट्टू चौहान, आदेश भारद्वाज, राधेश शर्मा, राजन राठौर, मुकेश रस्तोगी, तरुण दत्ता व अन्य लोग मौजूद रहे। इससे पूर्व दर्जा केबिनेट मंत्री स्तर व उपाध्यक्ष आपदान प्रबंधन मंत्री विनय रुहेला का भाजपा कार्यालय बिगवाड़ा पहुँचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उन्होंने कार्यकताओ से वार्ता करते कहा पार्टी संगठन द्वारा अनेको दायित्वों पर सेवा करने का मौका दिया। इस उधमसिंह नगर जिले के प्रभारी के रूप मे भी संगठन का कार्य किया। यहाँ कार्यकताओ से वह अच्छे से परिचित है। इस दौरान रूहेला ने पार्टी कार्यकताओ की समस्या को सुना और आपदा से संबधित किसी भी प्रकार की समस्या पर सुझाव शिकायत भी लिखित रूप मे लिये।

रामनगर में टैक्सी स्वामियों और चालकों का जोरदार प्रदर्शन

रामनगर(उद संवाददाता)। मंगलवार को अल्मोड़ा जनपद के मां भौन देवी गुजडू गढ़ी टैक्सी वेलफेयर सोसाइटी वेलफेयर सोसाइटी एवं मौलेखाल के टैक्सी स्वामियों एवं चालकों ने रामनगर एआरटीओ कार्यालय पहुंचकर सरकार और विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी प्रदर्शन करते हुए धरना दिया प्रदर्शन कार्यो ने आरोप लगाए की एआरटीओ रामनगर और हल्द्वानी द्वारा लगातार उनका उत्पीड़न किया जा रहा है तथा अवैध वसूली की जा रही है इसके साथ ही उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि टैक्सी वाहनों पर लगे लगेज को भी जबरन उतार का चालान करने की कार्रवाई की जा रही है उनका आरोप था कि पर्वतीय क्षेत्रों में घट रही सड़क दुर्घटनाओं के लिए टैक्सी चालकों को जिम्मेदार सरकार और विभाग मान रहा है लेकिन पर्वतीय क्षेत्रों की खस्ताहाल सड़क और यहां स्थित शराब की दुकानों को लेकर कोई कार्रवाई सरकार नहीं कर रही है उनका कहना था कि सरकार पहले छाती के रास्ते सड़कों के लिए जिम्मेदार लोक निर्माण विभाग व ठेकेदार के

खिलाफ कार्रवाई करें और पर्वतीय क्षेत्रों में शराब के ठेको को बंद कराए उन्होंने चेतावनी थी कि यदि उनका उत्पीड़न बंद नहीं किया गया तो वह चक्का जाम करने के साथ ही कार्यालय में तालाबंदी करने के लिए मजबूर होंगे वहीं एआरटीओ संदीप वर्मा ने बताया कि पर्वतीय क्षेत्र में लगातार घट रही सड़क दुर्घटनाओं को लेकर यह अभियान चलाया जा रहा है उन्होंने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में अधिकांश देखा गया है कि टैक्सी चालक टैक्सी की छतो पर सवारी लेकर जा रहे हैं इसके साथ ही इन वाहनों में ओवरलोड भी सबसे अधिक देखा जा रहा है उन्होंने कहा कि टैक्सी चालकों की मांग पर कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत द्वारा एक माह का समय इन लोगों को दिया गया है कि यह लोग निर्धारित समय में मानकों के तहत अपने वाहनों में लगेज कैरियर लगा ले तथा एक माह तक कोई भी चालानी कार्रवाई नहीं की जाएगी इसके बाद भी यदि नियमों की अनदेखी की गई तो कार्रवाई की जाएग। एआरटीओ श्री वर्मा ने कहा कि जनता की सुरक्षा करना विभाग और सरकार की जिम्मेदारी है। इसमें सभी सहयोग करें।

चार वारंटियों के साथ शराब तस्कर गिरफ्तार

दिनेशपुर। दिनेशपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस ने नशे के खिलाफ अभियान चलाकर लगातार छापेमारी कार्रवाई कर रही है। इसी के तहत पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर जयनगर नंबर एक निवासी रमेश कुमार को 20 लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ थाने में 60 आबकारी एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया है। वही पुलिस से आंख मिचोली खेल रहे फरार चल रहे चार वारंटी को गिरफ्तार किया है। चारों वारंटी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि न्यायालय के वारंटी अर्जुनपुर निवास वीरेन्द्र सिंह, वार्ड छह निवासी सजल राय, वार्ड तीन निवासी आशीष हाल्दार व मोहनपुर नंबर एक निवासी सपन राय को गिरफ्तार करके न्यायालय मे पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

सर्राफ पब्लिक स्कूल के छात्र का रक्षा मंत्रालय के उपक्रम में चयन

नानकमत्ता(उद संवाददाता)। शर्राफ पब्लिक स्कूल खटीमा के छात्र वैभव का रक्षा मंत्रालय के उपक्रम में चयन हुआ है, वैभव के रक्षा मंत्रालय के उपकरण में चयन होने पर कई लोगों ने उनको बधाई दी है। गौरतलब है कि वैभव जोशी को भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के अधीन नवरत्न क्षेत्र केउपक्रम बीईएल-भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में प्रोबेशनरी इंजीनियर- अधिकारी के पदपर चयनित किया गया है, वैभव की माता नगर पंचायत नानकमत्ता की पूर्व अधिशासी अधिकारी विमल जोशी जो कि वर्तमान में सहायक नगर आयुक्त नगर निगम हल्द्वानी में बतौर तैनात है, जबकि वैभव के पिता सिंचाई विभाग से सेवानिवृत है, भारत सरकार के उपकरण में चयन होने पर उन्हें कई क्षेत्र के लोगों ने बधाई दी है।

गदरपुर पहुंचने पर विनय रूहेला का किया स्वागत

गदरपुर (उद संवाददाता)।भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष गुंजन सुखीजा के कार्यालय पर उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन के उपाध्यक्ष विनय कुमार रूहेला का कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने गदरपुर विधानसभा के जन प्रतिनिधियों एवं आम जनमानस की समस्याओं को सुन उनके निवारण हेतू संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि धामी सरकार मौसम को देखते हुए पहले ही आपदा प्रबंधन के कार्यों में लग चुकी है तथा आम जनमानस को आपदा के कारण कोई भी कठिनाई का सामना ना करना पड़े और उसके लिए हर संभव प्रयास कर रही हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष गुंजन सुखीजा ने कहा कि बारिश का मौसम सदैव ही उत्तराखंड में मुश्किल पैदा करता है। परंतु धामी सरकार जिस प्रकार इन आपदाओं से निपटने के कार्य कर रही है वह सराहनीय है।इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष सुरेश खुराना,महेंद्र कालरा,अनादि रंजन मंडल, भाजपा नेता सुभाष गुम्बर,किसान मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष नरेश हुडिया, भोला शर्मा ,ग्राम प्रधान संजय चौधरी,रविंदर सिंह, गुरुपेज, गोल्डी सूरी,सतीश चुग, परमजीत सिंह, मनोज शर्मा,राजू शर्मा ,हरिश रलहन,आकाश कोचर,अभिषेक वर्मा,जसवीर चीमा,अरविंद पाल,कुनाल सहित अन्य भाजपाई उपस्थित रहे।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

नेता प्रतिपक्ष का आक्रामक आगाज

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल गांधी ने पहला भाषण दिया, जो इतना आक्रामक और उत्तेजक था कि प्रधानमंत्री मोदी समेत आधा दर्जन केंद्रीय मंत्रियों को बार-बार आपत्ति दर्ज करानी पड़ी। इन मंत्रियों में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह को भी हस्तक्षेप करना पड़ा। गृह मंत्री ने पहली बार लोकसभा में स्पीकर का संरक्षण मांगा और नियमों को लेकर वह कुछ असहाय और आक्रोश में दिखे। हमने संसदीय कवरेज के अपने लंबे अनुभव में पहली बार देखा कि प्रधानमंत्री ने नेता विपक्ष के भाषण के दौरान टोका-टोकी की और कहा-'पूरे हिंदू समाज को हिंसक कहना बहुत गंभीर विषय है। संविधान ने मुझे सिखाया है कि विपक्ष के नेता को गंभीरता से लेना चाहिए।' यह राहुल गांधी का पूरी तरह 'राजनीतिक भाषण' था। राष्ट्रपति अभिभाषण की उन्हें परवाह ही नहीं थी। यह भी पहली बार लोकसभा में हुआ कि नेता विपक्ष ने भगवान शिव, ईसा मसीह, गुरु नानकदेव, महावीर स्वामी की कथित 'अभय मुद्रा' वाली तस्वीरों को बार-बार दिखाया। यह सदन के नियम 349 का उल्लंघन था। स्पीकर ओम बिरला ने बार-बार सदन की गरिमा और मर्यादा की दुहाई दी, लेकिन नेता प्रतिपक्ष की रणनीति कुछ और ही थी। नेता विपक्ष ने पहली बार ऐसा भाषण दिया, जिसमें आठ संसदीय नियमों का उल्लंघन किया गया। इस पर स्पीकर क्या निर्णय लेते हैं, यह देखना अभी शेष है। नेता प्रतिपक्ष के आगाजी भाषण में राहुल गांधी ने हिंदू, अग्निवीर, नीट, किसान से लेकर प्रधानमंत्री मोदी तक अपने प्रहारों के निशाने पर रखे। यह भी संसद में पहली बार देखा गया कि नेता विपक्ष ने भाजपा के सबसे महत्वपूर्ण 'हिंदू कार्ड' को निरस्त करने की कोशिश की। राहुल खुद को बड़ा और मौलिक हिंदू साबित करने में लगे रहे। उन्होंने स्थापना दी कि आरएसएस, भाजपा और प्रधानमंत्री ही हिंदू समाज नहीं हैं। जो खुद को हिंदू मानते हैं, वे 24 घंटे हिंसा और नफरत फैलाते रहते हैं। वे हिंदू नहीं, हिंसक हैं। राहुल के इस कथन पर साधु-संतों और संघ नेताओं ने तल्ख प्रतिक्रियाएं दी हैं। दरअसल नेता प्रतिपक्ष ने 'हिंदू' के जरिए देश के 110 करोड़ हिंदुओं तक अपना संदेश पहुंचाना चाहा है। वे राहुल गांधी के हिंदू और धार्मिक ज्ञान को किस तरह ग्रहण करते हैं, यह भविष्य की राजनीति है। इतना कहा जा सकता है कि सोमवार का दिन नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का दिन था। वह विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का भी दिन था, क्योंकि विपक्षी सांसद अपने नेता के साथ एकजुट और आक्रामक रहे। राहुल की राजनीति और रणनीति की यही निरंतरता बरकरार रहेगी, भविष्य में देखना होगा। हालांकि अयोध्या के लोगों के मुआवजे और अग्निवीर की शहादत पर एक करोड़ रुपए की सरकारी मदद आदि के स्पष्टीकरण सरकार की तरफ से दिए जा चुके हैं, लेकिन नेता प्रतिपक्ष को तथ्यात्मक गलतियों से बचना चाहिए। बीते दिनों एक अग्निवीर शहीद हुआ था, जिसे सरकार की ओर से 1.65 करोड़ रुपए से अधिक की सरकारी मदद दी गई थी। इसी तरह नेता विपक्ष ने यह भी गलत कहा है कि प्रधानमंत्री अयोध्या से चुनाव लडना चाहते थे, लेकिन सर्वे करने वालों ने उन्हें मना कर दिया। प्रधानमंत्री ने वाराणसी के अलावा कहीं और से चुनाव लडना सोचा भी नहीं था, ऐसी रपटें मीडिया में आ चुकी हैं। बहरहाल राहुल गांधी के पहले ही भाषण से उनका आत्मविश्वास झलका।

11 दिवसीय गुर प्रसाद समर कैंप का समापन

गदरपुर। सिख मिशनरी कॉलेज लुधियाना की गदरपुर इकाई द्वारा शिव मंदिर वार्ड नंबर 7 गदरपुर स्थित गुरुद्वारा साहिब में गुरुद्वारा प्रबंधन समिति एवं महिला सत्संग समिति के सहयोग से 11 दिवसीय गुर प्रसाद समर कैंप का आयोजन किया गया था।कैंप में गुरमुखी अक्षर ज्ञान,मूल मंत्र, 10 गुरु साहिबान,चार साहिबजादे, शब्द कीर्तन, कविता गायन, स्वास्थ्य हेतु योग का प्रशिक्षण दिया गया । कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पहुंचे स. अजायब सिंह धालीवाल ने शेरे पंजाब महाराजा रणजीत सिंह के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके राज्य में जनता भयमुक्त थी व सभी खुश थे। उनके 40 वर्ष से अधिक के शासनकाल में किसी को फांसी तक की सजा नहीं हुई। अंग्रेजी हुकूमत ने खालसा राज की एकजुटता देख पंजाब की तरफ आंख उठाकर नहीं देखा। उन्होंने बताया कि महाराजा रणजीत सिंह के राज्य में वर्तमान का पंजाब, हरियाणा , हिमाचल,जम्मू कश्मीर, लेहलद्दाख, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और चीन तक का इलाका शामिल था। अंग्रेजों द्वारा कूटनीति करते हुए भ्रष्ट एवं लालची डोगरा वजीरों को अपने साथ मिलाकर महाराजा रणजीत सिंह को धीमा जहर देकर मार दिया गया। फूट डालो और राज करो की नीति पर चलकर अंग्रेजों का राज पंजाब तक पहुंचा । वहीं कार्यक्रम संयोजक देवेंद्र सिंघ ने गुरु अर्जन देव जी के शहीदी दिवस पर जानकारी देते हुए कहा कि उन्होंने अपनी शहादत केवल धर्म और देश की रक्षा के लिए दी थी। मुगल बादशाह जहांगीर के आगे झुके नहीं। लाहौर में उनकी शहादत का दिवस 16 जून को मनाया जाता है। इसी लाहौर में उनके पिता जी गुरु रामदास जी का जन्म भी हुआ था। वहीं गुरु अर्जन देव जी की शहीदी भी हुई। एक बार लाहौर में काल पड़ने पर कई वर्ष तक गरीब जनता को गुरु अर्जन देव जी के हुक्म से संगत द्वारा भोजन पानी एवं दवाइयां आदि निशुल्क उपलब्ध कराई जाती रहीं। समर कैंप संचालिका एवं गुरुद्वारा साहिब की मुख्य सेवादार बाला बेहड़ ने बताया कि बच्चों द्वारा मन लगाकर गुरमुखी अक्षर ज्ञान और शब्द कीर्तन का प्रशिक्षण लिया गया है। उन्होंने कार्यक्रम की सराहना करते हुए सभी बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। निशुल्क समर कैंप में पंजीकृत 30 बच्चों का कंपटीशन करवाया गया। इस में सफल रहे सात बच्चों ने उच्च स्थान प्राप्त किए। माधवी पुत्री रिंकू कालड़ा, पौत्री गुलशन कालड़ा कैंप में प्रथम तथा नैतिक सुपुत्र नरेश धमीजा द्वितीय रहे। सभी बच्चों को स्मृति चिन्ह एवं शिक्षण सामग्री देकर सम्मानित किया गया। गुरुद्वारा साहिब की सेवादार बाला बेहड़ और मुख्य अतिथि जसमीत कौर द्वारा मातृशक्ति के रूप में जसवीर कौर, किरण बाला, निधि बाला, ज्योति धमीजा को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर का बाबा रांझा सिंघ, परमजीत कौर, अनुरुद्ध छाबड़ा, नैतिक, जसप्रीत कौर, तरणजोत कौर , कृपा एवं जसमीत कौर शामिल रहे ।

मदीना शरीफ से लौटे हाजियों का किया स्वागत

सितारगंज (उद संवाददाता)।हज से लौटे हाजियों का दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंचकर राज्य हज कमेटी के चैयरमैन खतीब अहमद ने भव्य स्वागत किया। हज मुक्कमल होने के बाद राज्य के हाजियों की देश वापसी का सिलसिला शुरू हो गया

है। उत्तराखंड के हाजियों के नई दिल्ली एयरपोर्ट टर्मिनल पर पहुंचने पर राज्य हज कमेटी के चौयरमैन खतीब अहमद,कमेटी के अब्दुल कादिर ने फूल मालाओं से स्वागत किया।इसके बाद राज्यके हाजियों का उनके क्षेत्रों में पहुंचने पर भी स्वागत किया गया।

खटीमा के विवादित चौकी इंचार्ज को हटाया

खटीमा(उद संवाददाता)। आखिरकार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने विवादित चौकी प्रभारी संदीप पिलखवाल को हटाकर जिला मुख्यालय कार्यालय में अटैच कर दिया है। जैसे ही चौकी प्रभारी संदीप पिलखवाल के हटने की सूचना मिली पत्रकारों में खुशी की लहर दौड़ गई। गौरतलब है कि चौकी प्रभारी का कार्यभार ग्रहण करने के बाद से संदीप पिलखवाल कई बार विवादित रह चुके थे। उन्होंने पत्रकार और उनके पुत्र के साथ भी मारपीट की थी। जिसके बाद चौकी प्रभारी हटाने को लेकर पत्रकारों ने आंदोलन भी किया था। मामले को लेकर पत्रकारों ने हाई कोर्ट में याचिका भी दायर की थी। यहां तक कि मामला मुख्यमंत्री के दरबार में भी पहुंच चुका था। आखिर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उधम सिंह नगर ने विवादित चौकी प्रभारी को हटाकर जिला मुख्यालय कार्यालय में अटैच कर दिया है। विवादित चौी इंचार्ज को हटाये जाने पर पत्रकार प्रेस परिषद के कुमांऊ मण्डल अध्यक्ष अशोक गुलाटी; अजय गुप्ता, अशोक सरकार, दीपक यादव, भारत चौपाल, गुड्डू खान सहित अन्य पत्रकारों ने एसएसपी का आभार व्यक्त किया है।

हाथरस में मौत का सत्संग

उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के ग्राम पुलराई में नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा के सत्संग समागम में मची भगदड़ में 120 से ज्यादा श्रद्धालुओं की असमय मौत हो गई। इनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं। मौत की यह भयावह त्रासदी कोई पहली घटना नहीं है। अंधभक्त धर्मपरायण देश में ब्रह्मज्ञान देने के आयोजन निरंतर होते रहते हैं, उसी अनुपात में दुर्घटनाएं भी घटती रहती हैं। तीर्थस्थलों की आवाजाही में होने वाली वाहन दुर्घटनाओं में भी बड़ी संख्या में लोग हर साल काल के गाल में समा जाते हैं। पिछले माह संपन्न हुई हज यात्रा में भी एक हजार के करीब लोग भीषण गर्मी के चलते मक्का में मौत की नींद सो गए थे। इसमें 78 भारतीय थे। आजकल राजनेताओं और फिल्म जगत की बड़ी हस्तियों द्वारा बाबाओं की शरण में जाने से आम आदमी यह सोचने लगा है कि ब्रह्म और भविष्य के इन अलौकिक ज्ञाताओं के पास वाकई अदृश्य शक्तियां नियंत्रण में हैं। गोया, बाबा बाघेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री और सीहोर के प्रदीप मिश्रा भी आसानी से अपने प्रवचनों के लिए लाखों की भीड़ जुटा लेते हैं। भीड़ उम्मीद से ज्यादा हो जाती है और प्रशासन प्रबंधन में अकसर चूक जाता है। फलत: भगदड़ में ही सैंकड़ों लोग मर जाते हैं। आज कल नेता बाबाओं की इस भीड़ को मतदाता समझने लगे हैं। अतएव वोट के लालच में इन समागमों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं और श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं का दोहन कथित बाबाओं के मध्ययम से स्वयं एव अपने दल के लिए दोहन करने में कोई संकोच नहीं करते हैं। वैभव और विलास में डूबे बाबा भी इन नेताओं की पैरवी करने लग जाते हैं। नतीजतन उचित प्रबंधन की प्रशासन अनदेखी कर देता है।उत्तर प्रदेश की पुलिस सेवा में आरक्षक रहे सूरजपाल जाटव को एकाएक आध्यात्मिक ज्ञान हो गया और वे नारायण साकार उर्फ भोले बाबा के रूप में सत्संग कर ब्रह्मज्ञान की रसधारा बहाने लग गए। सूरजपाल ने 1997 में नौकरी से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर आध्यात्मिक मार्ग पर चल पड़े थे। बाबा कांसीनगर में पटियाली तहसील के बहादुर नगर के रहने वाले हैं। यही उन्होंने अपने घर को आश्रम का रूप दे दिया और प्रवचन शुरू कर दिए। बीते कुछ सालों में ही उन्होंने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और पंजाब में अपने असंख्य भक्त बना लिए। चमत्कारी बाबा के रूप में प्रसिद्धि मिल गई तो उनकी पत्नी भी माताश्री कही जाने लगी। भोले बाबा के सत्संग में लोग अपनी परेशानियां लेकर पहुंचने लगे। उनके द्वारा हाथ से छूकर बीमारियों को दूर करने का चमत्कार जुड़ गया। अतएव चमत्कार से वशीभूत उनके अनुयायियों का कारवां बढ़ता चला गया। वे काशी नगर के अलावा अनेक जगह बुलावे पर प्रवचन देने जाने लगे। पुलराई में जहां यह त्रासदी घटी है, वहां 80,000 से ज्यादा भक्त पहुंचे थे। जबकि प्रशासन को सूचना 50,000 लोगों के पहुंचने की दी गई थी। सत्संग जब समाप्त हुआ तो अनुमान से ज्यादा पहुंचे भक्त बाबा के चरण छूने की होड़ में लग गए और एक-दूसरे को मची भगदड़ में कुचलने लग गए। ऐसे मामलों में कभी कोई कठोर कार्यवाही हुई हो अब तक देखने में नहीं आया है। गोया, यह मामला भी कुछ दिन चर्चा में रहने के बाद शून्य में बदल जाएगा।2018 में अमृतसर में रावण दहन के अवसर पर हुए रेल हादसे में 61 लोग मारे गए थे। सीधे-सीधे यह प्रशासनिक लापरवाही थी। देश में धार्मिक मेलों और सांस्कृतिक आयोजनों के दौरान भीड़ में भगदड़ मचने से होने वाले हादसों का सिलसिला लगातार बढ़ रहा है। ठीक इसी किस्म की लापरवाही केरल में कोल्लम के पास पुत्तिंगल देवी मंदिर परिसर में हुई त्रासदी के समय देखने में

आई थी। इस घटना में 110 लोग मारे गए थे और 383 लोग घायल हुए थे। यह ऐसी घटना थी, जिसे मंदिर प्रबंधन और जिला प्रशासन सचेत रहते तो टाला जा सकता था। क्योंकि मलयालम नववर्ष के उपलक्ष में हर वर्ष जो उत्सव होता है, उसमें बड़ी मात्रा में आतिशबाजी की जाती है और इसका भंडारण मंदिर परिसर में ही किया जाता है। आतिशबाजी चलाने के दौरान एक चिंगारी भंडार में रखी आतिशबाजी तक पहुंच गई और भीषण त्रासदी में लोगों की दर्दनाक मौतें हो गईं। यह हादसा इतना बड़ा और हृदयविदारक था कि खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिकित्सकों का दल लेकर कोल्लम पहुंचना पड़ा था। लेकिन इस तरह से संवेदना जताकर और मुआवजा देने की खानापूर्ति कर देने भर से मंदिर हादसों का क्रम टूटने वाला नहीं हैं। जरूरत तो शीर्ष न्यायालय के उस निर्देश का पालन करने की है, जिसमें मंदिरों में होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए राष्ट्रव्यापी समान नीति बनाने का उल्लेख है। यदि प्रधानमंत्री इस हादसे से सबक लेकर इस नीति को बनाने का काम करते तो शायद यह हादसा नहीं हुआ होता ? दर्शनलाभ की जल्दबाजी व कुप्रबंधन से उपजने वाली भगदड़ व आगजनी का सिलसिला जारी है। धर्म स्थल हमें इस बात के लिए प्रेरित करते हैं कि हम कम से कम शालीनता और आत्मानुशासन का परिचय दें। किंतु इस बात की परवाह आयोजकों और प्रशासनिक अधिकारियों को नहीं होती। इसलिए उनकी जो सजगता घटना के पूर्व सामने आनी चाहिए, वह अकसर देखने में नहीं आती। लिहाजा आजादी के बाद से ही राजनीतिक और प्रशासनिक तंत्र उस अनियंत्रित स्थिति को काबू करने की कोशिश में लगा रहता है, जिसे वह समय पर नियंत्रित करने की कोशिश करता तो हालात कमलेश बेकाबू ही नहीं हुए होते ? हमारे धार्मिक-आध्यात्मिक आयोजन विराट रुप लेते जा रहे हैं। कुंभ मेलों में तो विशेष पर्वों के अवसर पर एक साथ तीन-तीन करोड़ तक लोग एक निश्चित समय के बीच स्नान करते हैं। दरअसल भीड़ के अनुपात में यातायात और सुरक्षा के इंतजाम देखने में नहीं आते। जबकि शासन-प्रशासन के पास पिछले पर्वों के आंकड़े हाते हैं। बावजूद लपरवाही बरतना हैरान करने वाली बात है। दरअसल, कुंभ या अन्य मेलों में जितनी भीड़ पहुंचती है और उसके प्रबंधन के लिए जिस प्रबंध कौशल की जरुरत होती है, उसकी दूसरे देशों के लोग कल्पना भी नहीं कर सकते ? इसलिए हमारे यहां लगने वाले मेलों के प्रबंधन की सीख हम विदेशी साहित्य और प्रशिक्षण से नहीं ले सकते ? क्योंकि दुनिया के किसी अन्य देश में किसी एक दिन और विशेष मुहूर्त के समय लाखों-करोडोंध्की भीड़ जुटने की उम्मीद ही नहीं की जा सकती ? बावजूद हमारे नौकरशाह भीड़ प्रबंधन का प्रशिक्षण लेने खासतौर से योरुपीय देशों में जाते हैं। प्रबंधन के ऐसे प्रशिक्षण विदेशी सैर-सपाटे के बहाने हैं, इनका वास्तविकता से कोई संबंध नहीं होता। ऐसे प्रबंधनों के पाठ हमें खुद अपने देशज ज्ञान और अनुभव से लिखने होंगे। प्रशासन के साथ हमारे राजनेता, उद्योगपति, फिल्मी सितारे और आला अधिकारी भी धार्मिक लाभ लेने की होड़ में व्यवस्था को भंग करने का काम करते हैं। इनकी वीआईपी व्यवस्था और यज्ञ कुण्ड अथवा मंदिरों में मूर्तिस्थल तक ही हर हाल में पहुंचने की रूढ़ मनोदशा, मौजूदा प्रबंधन को लाचार बनाने का काम करती है। नतीजतन भीड़ ठसाठस के हालात में आ जाती है। ऐसे में कोई महिला या बच्चा गिरकर अनजाने में भीड़ के पैरों तले रौंद दिया जाता है और भगदड़ मच जाती है। धार्मिक स्थलों पर भीड़ बढ़ाने का काम मीडिया भी कर रहा है। इलेक्ट्रोनिक मीडिया टीआरपी के लालच में इसमें अहम् भूमिका निभाता है। वह हरेक छोटे बड़े मंदिर के दर्शन को चमात्कारिक लाभ से जोड़कर देश के भोले-भाले भक्तगणों से एक तरह का छल कर रहा है। इस मीडिया के अस्तित्व में आने के बाद धर्म के क्षेत्र में कर्मकाण्ड और पाखण्ड का आंडबर जितना बड़ा है, उतना पहले कभी देखने में नहीं आया। निर्मल बाबा, कृपालू महाराज और आशाराम बापू, रामपाल जैसे संतों का महिमामंडन इसी मीडिया ने किया था। हालांकि यही मीडिया पाखण्ड के सार्वजनिक खुलासे के बाद मूर्तिभंजक की भूमिका में भी खड़ा हो जाता है। मीडिया का यही नाट्य रूपांतरण अलौकिक कलावाद, धार्मिक आस्था के बहाने व्यक्ति को निष्क्रिय व अंध विश्वासी बनाता है। यही भावना मानवीय मसलों को यथास्थिति में बनाए रखने का काम करती है और हम ईश्वर अथवा भाग्य आधारित अवधारणा को प्रतिफल व नियति का कारक मानने लग जाते हैं। दरअसल मीडिया, राजनेता और बुद्धिजीवियों का काम लोगों को जागरूक बनाने का है, लेकिन निजी लाभ का लालची मीडिया, धर्मभीरु राजनेता और धर्म की आंतरिक आध्यात्मिकता से अज्ञान बुद्धिजीवी भी धर्म के छद्म का शिकार होते दिखाई देते हैं। यही वजह है कि पिछले एक दशक के भीतर मंदिर हादसों में कई हजार से भी ज्यादा भक्त मारे जा चुके हैं। 2013 में घटित केदारनाथ हादसे में तो कई हजार लोग दफन हो गए थे। बावजूद श्रद्धालु हैं कि दर्शन, श्रद्धा, पूजा और भक्ति से यह अर्थ निकालने में लगे हैं कि इनको संपन्न करने से इस जन्म में किए पाप धुल जाएंगे, मोक्ष मिल जाएगा और परलोक भी सुधर जाएगा। गोया, पुनर्जन्म हुआ भी तो श्रेष्ठ वर्ण में होने के साथ समृद्ध व वैभवशाली होगा ? जाहिर है, धार्मिक हादसों से छुटकारा पाने की कोई उम्मीद निकट भविष्य में दिखाई नहीं दे रही है ?

-प्रमोद भार्गव,लेखक/पत्रकार

भारत खाद्य तेल उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रतिबद्ध : चतुर्वेदी

पाम ऑयल से जुड़ी स्वास्थ्य और पोषण से संबंधित धारणाओं पर कार्यशाला आयोजित

देहरादून (उद संवाददाता)। सॉलिडारिडाड, एशियन पाम ऑयल एलायंस एवं द सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा संयुक्त रूप से इंदौर में पाम ऑयल स्वास्थ्य और पोषण के लिए धारणाओं में बदलाव पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें पोषण विशेषज्ञ, वैज्ञानिक और खाद्य तेल उद्योग द्वारा पाम ऑयल के बहुमुखी गुणों और भारत के खाद्य तेल परिदृश्य में इसकी भूमिका पर चर्चा की गई। कार्यशाला का मुख्य फोकस पाम ऑइल के स्वास्थ्य संबंधी गुणों पर प्रकाश डालते हुए इसके बारे में फैली गई भ्रामक जानकारियों को दूर करना था। विशेषज्ञों ने पाम ऑयल के सेवन से जुड़े संभावित स्वास्थ्य लाभों पर चर्चा की, जिसमें हृदय और मस्तिष्क स्वास्थ्य, एंटीऑक्सीडेंट गुण और आंखों की सेहत के लिए इसे अच्छा बताया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि कच्चे पाम ऑयल में कैरोटीनॉयड बहुत अधिक मात्रा में होता है और इसमें संतुलित फैटी एसिड की संरचना होती है, साथ ही कई फाइटोन्यूट्रिएंट्स होते हैं जो हृदय रोग और कुछ कैंसर जैसी बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद कर सकते हैं। कार्यक्रम में बताया गया कि कुल खाद्य तेल उपभोग की 38 प्रतिशत से अधिक निर्भरता पाम ऑयल पर है। इस मांग को पूरा करने के लिए 2025-26 तक अतिरिक्त 0.6 मिलियन हेक्टेयर तक पाम ऑयल की खेती के क्षेत्र के विस्तार करने की योजना बनाई गई। इस विस्तार से घरेलू उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। संकेत है कि कच्चे पाम ऑयल का उत्पादन 2025-26 तक 1.12 मिलियन टन तक पहुँच सकता है और 2029-30 तक 2.8 मिलियन टन तक बढ़ सकता है, जो खाद्य तेल उत्पादन में भारत के आत्मनिर्भरता के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर एशियन पाम ऑयल अलायंस के चेयरमैन अतुल चतुर्वेदी ने बताया कि दुनिया में पाम ऑयल का सबसे बड़ा आयातक होने के नाते भारत खाद्य तेल उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत में सदियों से पाम ऑयल का इस्तेमाल कई खाद्य और गैर-खाद्य उत्पादों में होता रहा है। हालांकि, हाल के वर्षों में स्वास्थ्य, पोषण और पर्यावरण पर इसके प्रभाव के बारे में भ्रामक रिपोर्ट सामने आई हैं, जिससे हमारे किसानों, खासकर छोटे किसानों को नुकसान हुआ है और हमारी अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ा है। इस कार्यशाला का उद्देश्य वैज्ञानिक रूप से सटीक जानकारी प्रस्तुत करके पाम ऑयल के बारे में लोगों की धारणा को बदलना है। डॉ. शतद्रु चट्टोपाध्याय, प्रबंध निदेशक, सॉलिडारिडाड एशिया ने मानकों के अनुसार स्वस्थ्य कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देते हुए बताया कि महत्वपूर्ण फसल होने के बाद भी पाम ऑयल के विषय में गलत धारणाएँ न केवल इस उद्योग की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाती हैं, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित करती हैं। छोटे किसान भी इससे प्रभावित हो रहे हैं। हमारा प्रयास इन मिथकों को दूर करने और पाम ऑयल उत्पादन और इससे होने वाली आजीविका को बढ़ावा देना है। द सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष श्री अजय झुनझुनवाला ने कहा कि हम भारतीय पाम ऑयल उद्योग में टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। किसानों को भारतीय पाम ऑयल स्थिरता मानक अपनाने के लिए प्रोत्साहित करके, हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हमारी कृषि पद्धतियाँ पर्यावरण के अनुकूल और सामाजिक रूप से जिम्मेदार हों। हम कंपनियों से आग्रह करते हैं कि वे इन मानकों को पूरा करने वाले पाम ऑयल को खरीदकर इस पहल का समर्थन करें। एसईए के कार्यकारी निदेशक डॉ. बीवी मेहता ने पाम की आर्थिक आर्थिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भारत द्वारा प्रतिवर्ष लगभग 9 मिलियन टन पाम ऑयल का आयात किया जाता है, जिससे साफ है कि स्थानीय स्तर पर पाम की खेती को बढ़ाने की आवश्यकता है। देश में कुल खाद्य तेल खपत में से पाम ऑयल की खपत 38 प्रतिशत से अधिक हो गई है। सोयाबीन, सरसों और सूरजमुखी के तेलों की खपत भी उसके बाद है। खाद्य तेल उद्योग में अग्रणी होने के नाते, हम अपने किसानों को लाभ पहुंचाने और घरेलू उत्पादन को मजबूत करने के लिए पाम ऑयल के न्यूनतम विक्रय मूल्य को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। डॉ. सुरेश मोटवानी, क्षेत्रीय वेज ऑइल प्रमुख, सोलिडारिडाड ने पाम ऑयल से बने उत्पादों की प्रदर्शनी की ओर इंगित करते हुए कहा कि यह कार्यशाला इस बात का प्रमाण है कि पाम ऑयल भारतीय रसोई का एक अभिन्न अंग है। इससे जुड़े मिथकों को दूर करके, भारत निश्चित रूप से खाद्य तेल उत्पादन में आत्मनिर्भर भारत बनाने के प्रधानमंत्री के सपने को साकार कर सकता है। गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड से ऑयल पाम बिजनेस के सीईओ सौगाता नियोगी ने कहा बताया कि खाद्य तेलों का राष्ट्रीय मिशन ऑयल पाम हमारे देश के लिए खाद्य तेल के आयात को कम करने की दिशा में एक सही कदम है। पाम 3-4 टन प्रति हेक्टेयर प्रति वर्ष उपज देने की क्षमता के साथ, अन्य वनस्पति तेल की तुलना में अधिक उपज देने वाली फसल है।इसमे गन्ना और धान जैसी अन्य फसलों की तुलना में कम पानी की आवश्यकता होती है। यह किसानों को अंतर-फसल के माध्यम से आय के वैकल्पिक स्रोत के अलावा 20 से अधिक वर्षों के लिए आय का एक सुनिश्चित स्रोत भी प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, फसल उगाने के लिए केवल कृषि भूमि की अनुमति होने के कारण, ऑयल पाम क्षेत्र में जैव विविधता को बढ़ाने में भी सहायता करता है। डॉ. विजया खादेर, पूर्व आचार्य एनजी रंगा कृषि विश्वविद्यालय और पोषण विशेषज्ञ ने पाम ऑइल की गुणवत्ता पर कहा कि कई अध्ययनों से पता चलता है कि पाम ऑइल में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसी कारण से खाद्य और गैर-खाद्य दोनों उत्पादों में इसका उपयोग होता है। पाम ऑयल के बारे में कोई भी राय बनाने से पहले, यह जरूरी है कि लोग इसके गुणों के बारे में अच्छे से पढ़ें और समझे तभी वह केवल सुनी-सुनाई बातों पर भरोसा करने के बजाय सही निर्णय ले पाएंगे।

केन्द्रीय मंत्री ने तस्वा की सेरेमोनियल ड्रेस का किया अनावरण

देहरादून (उद संवाददाता)। आदित्य बिरला फैशन एण्ड रिटेल लिमिटेड और मशहूर डिजाइनर तरुण तहलियानी के मेन्स इंडियन वियर ब्राण्ड ने आगामी पेरिस ओलम्पिक्स 2024 के लिये टीम इंडिया की सेरेमोनियल ड्रेस बनाने का प्रतिष्ठित काम किया है। युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने इंडियन ओलम्पिक्स एसोसिएशन की प्रेसिडेंट डॉ. पीटी. ऊषा की मौजूदगी में टीम इंडिया के ऑफिशियल सेरेमोनियल ड्रेस का अनावरण किया। तस्वा अब दुनिया में फैशन की राजधानी, पेरिस में भारत के पारंपरिक परिधानों पर अपना नया नजरिया दिखाने के लिए पूरी तरह तैयार है। सेरेमोनियल ड्रेस भारत के समृद्ध सांस्कृतिक चित्रपट से प्रेरित है और इसमें हमारे तिरंगे के केसरिया, हरे एवं सफेद रंगों से सराबोर देशभक्ति का उत्साह भी साफ-साफ झलकता है। तस्वा के चीफ डिजाइन ऑफिसर तरुण तहलियानी ने किट के अनावरण समारोह में बताया, "हम टीम इंडिया के लिए ड्रेस बनाकर बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं। हमने ऐसे परिधान बनाने के लिये इंडियन ओलम्पिक एसोसिएशन के साथ मिलकर काम किया है, जो भारत की गाथा गाते

हैं। यह परिधान न सिर्फ देखने में आकर्षक हैं, बल्कि कम्फर्ट और व्यवहारिकता को भी ध्यान रखकर बनाये गये हैं। ओपेनिंग सेरेमनी में सभी के साथ भव्यता से प्रवेश करते हुए, हमारे खिलाड़ियों के हवादार और हल्केखफुल्के परिधान जुलाई में पेरिस की गर्मियों के बिलकुल अनुकूल होंगे। तहलियानी ने कहा, हम चाहते हैं कि हमारे खिलाड़ी वैश्विक मंच पर इस अहसास के साथ अपने कदम आगे बढ़ाएं कि वे भारत की संस्कृति एवं धरोहर के दूत हैं। यह हमारा सपना है कि हमारी परंपराओं का दुनियाभर में सम्मान किया जाए और उसकी प्रशंसा हो। ओपेनिंग सेरेमनी में टीम इंडिया के पुरुष खिलाड़ी कुर्ता बंडी सेट पहनेंगे, जबकि महिला खिलाड़ी खूबसूरती साड़ियों में नजर आयेंगी। इन परिधानों में इकट से प्रेरित और केसरिया और हरे रंग में डिजिटल तरीके से प्रिंटेड पैनल होंगे। नीले रंग के बटनहोल अशोक चक्र के प्रतीक होंगे, जबकि आइवरी बेस शांति और एकता दिखाएगा। यह लुक आधुनिक ट्रेन्र्स से पूरा होता है, जो बनारस का पारंपरिक ब्रोकेड पहनेंगे जिसमें आधुनिक फैशन के साथ परंपरा का सहजता से संगम किया गया है। तरुण तहलियानी ने कहा' यह सेरेमोनियल ड्रेस बड़ी खूबसूरती से पुराने भारतीय स्टाइल को आधुनिक खिलाड़ी जैसा एहसास देती है। कुर्ता बंडी सेट को हल्के-फुल्के मॉस कॉटन से बनाया गया है, यह हवादार हैं और पूरा कम्फर्ट प्रदान करते हैं। साड़ी चूंकि सुंदरता और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है, इसलिये उसे स्वाभाविक तरीके से लपेटने और हवादार रखने के लिये विस्कोस क्रेप से नयापन दिया गया है। इस तरह हमारे खिलाड़ियों को कम्फर्ट के साथ-साथ खूबसूरती का भी अहसास होगा। ओलम्पिक मेन्स टेबल टेनिस का नेतृत्व कर रहे और पेरिस ओलम्पिक्स में टीम इंडिया के ध्वजवाहक शरथ कमल ने कहा इस सेरेमोनियल ड्रेस को पहनने का अनुभव दमदार था। जब मैंने खुद को शीशे में देखा, तब हमारी धरोहर पर गर्व और उससे जुड़ाव की तीव्र भावना जागी। हल्का फुल्का फैब्रिक इसे उस मौके के लिये आदर्श बना देता है। तस्वा के ब्राण्ड हेड आशीष मुकुल ने भी यही भावना व्यक्त करते हुए कहा ऑफिशियल सेरेमोनियल ड्रेस न केवल भारतीय शैली के सार को संजोती है, बल्कि देश के गौरव एवं उपलब्धियों का प्रतीक भी है। इसे खासतौर पर उन लोगों के लिये बनाया गया है, जिन्हें वैश्विक मंच पर भारत के प्रतिनिधित्व का सम्मान मिला है। तस्वा न केवल भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का उत्सव मनाता है, बल्कि देश के आधुनिक एवं गतिशील उत्साह से दुनिया को रूबरू भी कराता है। वैश्विक मंच पर हमारे खिलाड़ी ऐसे परिधानों में नजर आयेंगे, जो भारत के सार की असली अभिव्यक्ति हैं यानी ऐसा देश जो सदाबहार, जीवंत और लगातार विकास करने वाला है।

हरेला पर 'वृक्ष दिवस' मनाने के लिए सीएम से मिले ग्रीनमैन

देहरादून (उद संवाददाता)। 16 जुलाई को कर्क संक्रांति के दिन सूर्यदेव के दक्षिणायन में प्रवेश करने वाली खगोलीय घटना दुनिया में एक विशेष प्रकृति पर्व के रूप में जानी जाती है जिसे देवभूमि उत्तराखंड के कुमायूं क्षेत्र में हरेला लोकपर्व के रूप में मनाए जाने की परंपरा प्राचीन काल से ही प्रचलन में है। विश्व समुदाय हर दिन कोई न कोई विशेष दिन मनाता जाता है लेकिन जीने के लिए सबसे जरूरी प्राणवायु को उत्पादित करने वाले वृक्ष के नाम पर अभी तक कोई 'विशेष दिवस' की न तो मान्यता मिली है और ना ही घोषणा हो पाई है। इतने महत्वपूर्ण मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए भारतीय वृक्ष न्यास (ट्री ट्रस्ट ऑफ इंडिया) ने हरेला को श्वृक्ष दिवसश के रुप में मान्यता दिलाने वाली पहल की है। वृक्ष दिवस अभियान के तहत उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धमी से ट्री ट्रस्ट ऑफ इंडिया के अध्यक्ष ग्रीनमैन विजयपाल बघेल के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने भेंट कर समर्थन मांगा। उत्तराखंड के मूल लोकपर्व हरेला को श्वृक्ष दिवसश के रूप में वैश्विक स्वीकार्यता हासिल हो उसके लिए जनाभियान संचालित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री द्वारा हरेला के विषय की मौलिकता पर चिंतन करते हुए इसे उत्तराखंड का गौरव बढ़ाने वाला कदम बताया, उन्होंने भारतीय वृक्ष न्यास के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि हरेला विचार ही वैश्विक हरितक्रांति का आव्हान करने वाला आधार बनेगा। जैसे वृक्ष संरक्षण के लिए उत्तराखंड के चिपको आन्दोलन ने विश्वस्तरीय पहिचान हासिल करते हुए आगे योग के क्षेत्र में योगदिवस तक की वैश्विक यात्रा पूरी करने का कीर्तिमान स्थापित किया उसी तरह हरेला को भी श्वृक्ष दिवसश के रूप में स्वीकार्यता मिले, ऐसी शुभकामनाएं वृक्ष दिवस अभियान को दीं। उत्तराखंड सरकार इस प्रकृतिपर्व को पूर्व की भांति प्रमुखता से मनाए जाने के लिए संकल्पित है। सीएम ने वृक्ष दिवस अभियान को यथायोग्य सहयोग देने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री आवास पर भेंट करने वाले शिष्टमंडल में ग्रीनमैन विजयपाल बघेल के साथ हरेला लोकपर्व-24 आयोजन समिति के संयोजक सुरेश सुयाल और संरक्षक जगदीश लाल पाहवा प्रमुख रहे।

बंदरों ने हमला कर युवक को काटा

गरुड़(उद संवाददाता)। बंदरों ने हमला कर युवक को काट दिया। जिससे वह घायल हो गया। स्वजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बैजनाथ ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। मटेना निवासी मनोज जोशी अपने घर के आंगन में बैठा था। तभी बंदरों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया। बंदरों ने उसके हाथ में काट दिया। जिससे वह घायल हो गया। स्वजन उसे सीएचसी बैजनाथ ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई है। इस घटना से ग्रामीणों में तीव्र आक्रोश है। मटेना के क्षेपंस भोला दत्त तिवारी, ग्राम प्रधान रविशंकर बिष्ट, उप प्रधाननीमा बड़सीला,सोशियल एक्टिविस्ट हेम चंद्र पांडे, ख्याली दत्त जोशी, फकीरा दत्त बिष्ट, दिनेश जोशी, चंद्रशेखर बड़सीला ने प्रभावित को मुआवजा देने और बंदरों की समस्या से निजात दिलाए जाने की मांग की है।

पेज एक का शेष...

पुलिस के खिलाफ बेहड़ ने....में कुछ वक्त देने को कहा । इस दौरान सरवरयार खान, भूपेन्द्र चौधरी, गुड्डू तिवारी, दर्शन कोली, मेजर सिंह, गुलशन सिंधी, सुभाष बेहड़, सुनीता कश्यप, अक्षय बाबा, जगरूप सिंह, नीरज बजाज, लियाकत, संजय जुनेजा, अनिल शर्मा, गुरमीत सिंह, अंकुश गुम्बर, दलजीत सिंह, बंटी खुराना, अशोक चुघ, गुरदास कालड़ा, यामीन अंसारी, अजीत सचदेवा, जनार्दन सिंह, गौरव बेहड़, शिशुपाल, नजाकत, मोनिका ढ़ाली, प्रीती साना, सरला ठाकुर, रिंकू, अंग्रेज सिंह, तरूण राजौरिया, दानिश मलिक, संदीप चुघ, अशोक मित्रा, हर्षवर्धन, राजेन्द्र दास सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

भारी बारिश से जन-जीवन...पानी मलबे के साथ मुख्य बाजार और घरों के पास बहने लगा इससे लोग दहशत में रहे। वहीं मलबा गिरने से काफलीखान-भनोली एसएच सहित छह सड़कें बंद हैं, इससे आठ हजार से अधिक की आबादी को खासी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। चंपावत में भारी बारिश के बाद बीएसएनएल की सेवा बाधित हो गई है। पिछले दो घंटे से अधिक समय से मोबाइल फोन में सिग्नल नहीं आने से लोग परेशान है। रामनगर में मंगलवार रात से हो रही भारी बारिश से नदी नाले उफान पर आ गए है। कोसी नदी का जलस्तर 3000 क्यूसेक तक पहुंच गया। हर वर्ष जानलेवा साबित होने वाले धनगढ़ी, पनोद,साँवल्दे,ढेला नदी,बेलगढ़ बरसाती नाला,तिलमठ बरसाती नाले भी देर रात उफान पर आ गए, हालांकि अभी इनका जलस्तर कम हो गया है। वहीं प्रशासन द्वारा भी सभी को अलर्ट मोड पर रहने को कहा गया है, साथ ही प्रशासन द्वारा लोगों से भी अपील की गई है कि नदी नालों के पास न जाए उनसे दूर रहे ,बरसाती नालों में अपने वाहनों को ना डालें ,पानी का बहाव कम होने पर ही अपने वाहनों को पार करें। वहीं रामनगर में निर्माणाधीन रोडवेज डिपो में जल भराव होने के कारण यात्रियों के साथ ही रोडवेज के कर्मचारियों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा तो वही रोडवेज में जल भराव के कारण यहां लगे ट्रांसफार्मर से भी करंट फैलने का खतरा बना हुआ है। रोडवेज के कर्मचारियों ने निर्माणाधीन कंपनी के ठेकेदार व इंजीनियर पर आरोप लगाते हुए कहा कि इन लोगों से कहने के बाद भी बरसाती पानी की निकासी नहीं की जा रही है जिससे रोडवेज परिसर में जहां एक और करंट फैलने का खतरा बना हुआ है । कर्मचारी एवं यात्रियों की जिंदगी पर भी खतरा बना हुआ है। कर्मचारियों का कहना है कि वर्तमान में रोडवेज डिपो का निर्माण कार्य चल रहा है उन्होंने निर्माण कार्य की धीमी गति पर भी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि कल रात से बारिश होने के कारण रोडवेज डिपो में जल भराव हो गया है जिससे यहां पर बिजली लगे ट्रांसफार्मर में पानी पहुंचने की संभावना बनी हुईहै। उनका कहना है कि यदि ट्रांसफार्मर तक पानी पहुंच गया तो यहां पर एक बड़ी घटना घट सकती है।

शासन ने 15 आईएएस अधिकारियों....खैरवाल को दिए गए हैं। खैरवाल से नियोजन हटा दिया गया है। संत से आयुक्त खाद्य हटाकर उन्हें सचिव परिवहन और आयुक्त परिवहन का प्रभार दिया गया है। सचिव डॉ. सुरेंद्र नारायण पांडेय से आवास, आयुक्त आवास, अपर मुख्य प्रशासक आवास एवं नगर विकास प्राधिकरण, मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरिद्वार-ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर परियोजना, वित्त एवं निदेशक ऑडिट हटाकर कृषि एवं कृषक कल्याण का प्रभार दिया गया है। सचिव विनोद कुमार सुमन को कृषि, पशुपालन, मत्स्य, दुग्ध विकास व सहकारिता हटाकर सचिव आपदा प्रबंधन व पुनर्वास, सचिव एसडीएमए, परियोजना निदेशक बाह्य सहायतित दिए गए हैं। भारतीय संचार सेवा के अधिकारी दीपक कुमार को सचिव जनगणना, संस्कृत शिक्षा व आईएफएस पराग मधुकर धकाते को विशेष सचिव जलागम का जिम्मा दिया गया है।

मानसून आते ही नगर निगम....अपने दायित्वों का निर्वहन करते दिखाई दिये। तो वहीं स्कूलों के विद्यार्थी छाता और रेनकोट के साथ आते जाते दिखे। वर्षा के निरंतर जारी रहने से कल्याणी नदी के दोनों ओर रहने वाले परिवारों को भय सताने लगा है। क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में निरंतर भारी वर्षा के चलते कल्याणी नदी का जल स्तर बढ़ जाने से यहां के लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ा था। हालांकि नगर निगम द्वारा कल्याणी नदी के दोनों ओर सीमांकन क्षेत्र में बसे परिवारों को भवन खाली कर चले जाने का नोटिस थमा दिया गया है। लेकिन अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई अगले दो तीन महीनों में शुरू हो पायेगी वर्तमान हालातों को देखकर मुश्किल ही नजर आ रहा है। पर हां प्रशासन कल्याणी नदी में सम्भावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी कर चुका है। वहीं लोगों को भी सतर्क किया जा रहा है।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक-परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

गुरु माँ
A.C. चाहिए
Guru Maa Electronics आइये
घर ले जायें AC
मात्र 1 रुपये में
आज ही डिलीवरी आज ही इंस्टालेशन
BAJAJ FINSERV
CASH BACK WEEKEND UPTO 7500*
आधार लाये उधार ले जाइये
SBI
CASH BACK UPTO 5%*
VOLTAS DAIKIN MITSUBISHI ELECTRIC AMSTRAD HITACHI Carrier SAMSUNG BLUE STAR IFB Whirlpool LLOYD
रुद्रपुर-काशीपुर बाईपास रोड I Mob: 9927882338